जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 | वर्षः 17 | संख्याः 263 | प्रभात | हिण्डौन सिटी, रविवार 27 जुलाई, 2025 | पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

राहुल ने प्रणीति शिंदे, इमरान प्रतापगढ़ी व कुणाल चौधरी को बिहार की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया

पर क्या युवा, उत्साही और विश्वासपात्र होना ही पर्याप्त है, यह निर्णय लेने के लिए कौन उपयुक्त है, चुनाव लड़ने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। एक तरफ विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बिहार में भाजपा व एनडीए गठबंधन को लाभ पहुँचाने के लिए लगभग 70 लाख वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया है। वहीं, आरजेडी के तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को सुझाव दिया है कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करके बिहार चुनाव का बहिष्कार करने पर गंभीरता से विचार करें। लेकिन कांग्रेस ने बिहार चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा कर दी है। अजय माकन को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी के बाकी तीन सदस्य युवा और राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हैं, जो राहुल गांधी के नई कांग्रेस बनाने के मिशन से जुड़े हैं।

अजय माकन को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है और वे इस समय एआईसीसी के कोषाध्यक्ष भी हैं।

- **पर, अगर स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष पुराने अजमाये हुए नेता होते तो नये युवा सदस्यों की अनुभवहीनता ''शायद'' कवरअप हो जाती।**
- **लेकिन, स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन नियुक्त किये गये हैं। अजय माकन इससे पहले हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा इन राज्यों में कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव हारी थी। माकन राजस्थान के प्रभारी महासचिव थे तब भी कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।**
- **इसी तरह प्रशांत किशोर की टीम के पुराने सदस्य कानूनगोलो को भी राहुल ने तोड़कर कांग्रेस में शामिल करवाया है। वे कई राज्यों में सर्वे कर रहे थे, पार्टी के लिए और उन सर्वे के आधार पर टिकट बांटे गये थे तथा कांग्रेस इन सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव हारी थी। अब, कानूनगोलो बिहार में सर्वे कर रहे हैं।**
- **ऐसे में बिहार के विधानसभा चुनावों में पार्टी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना कितना उचित है।**

ये भी ध्यान देने वाली बात है कि राहुल गांधी ने हाल के समय में कई राज्यों की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को ही बनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि जिन-जिन राज्यों में अजय माकन को यह ज़िम्मेदारी दी गई, वहां कांग्रेस चुनाव हार गई।

इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ शामिल हैं, और उससे पहले वे राजस्थान के प्रभारी महासचिव भी थे।

कांग्रेस इन सभी राज्यों में हारी, लेकिन इसके बावजूद अविचलित राहुल गांधी ने माकन पर भरोसा बनाए रखा।

वैसे, ये भी संयोग ही है कि माकन खुद हरियाणा से राज्यसभा का चुनाव हार गए थे, लेकिन बाद में उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सांसद बना दिया गया।

एक और दिलचस्प बात यह है कि कानुगोलू नाम के शख्स ने कई राज्यों में सर्वे किए, जिनके आधार पर टिकट बांटे गए, लेकिन पार्टी वहां हार गई। अब वे बिहार में सर्वे कर रहे हैं।

कानुगोलू पहले प्रशांत किशोर के साथ काम करते थे, लेकिन राहुल गांधी उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें प्रशान्त किशोर का साथ छोड़कर, कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज ''हरियाली तीज'' पर वन महोत्सव का शुभांरभ करेंगे

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। पिछले वर्ष हरियाली तीज पर एक दिन में 2 करोड़ पौधे लगाए गए थे, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 जुलाई (रविवार) हरियाली तीज के पावन अवसर पर 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जयपुर के मदाऊ ग्राम

- **हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में ढाई करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।**

(भांकरोटा) स्थित जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण कर ''मातृ वन'' की स्थापना करेंगे। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा सीकर जिले के ग्राम मंडावरा (धोद) में वृक्षारोपण एवं वन महोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में 2 करोड़ 50 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

हजार साल पहले जन्मे चोल सम्राट राजेन्द्र पर भाजपा व डी.एम.के के बीच राजनीतिक द्वंद्व छिड़ा

भाजपा राजेन्द्र चोल को प्री.इस्लामिक भव्य सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताकर, राजनीतिक लाभ लेना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लगभग 1000 वर्ष पूर्व के एक सम्राट आज भाजपा और डीएमके (द्रमुक) के बीच राजनीतिक खींचतान का मुद्दा बन गए हैं।

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के अरियालूर ज़िले स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम का दौरा करेंगे, जो कभी चोल साम्राज्य की राजधानी था। वहाँ वे राजेन्द्र चोल की उत्तरी क्षेत्रों पर प्राप्त विजय की स्मृति में एक सिक्का जारी करेंगे और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय ने चोल सम्राट की दक्षिण-पूर्व एशिया में समुद्री अभियान की 1000वीं वर्षगांठ और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के शुभारम्भ को याद करते हुए, चार दिवसीय उत्सव की घोषणा की है। संगीतकार इलैयाराजा इस समारोह में 20 मिनट का एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जबकि एक प्रदर्शनी में चोल काल की कलाकृतियां और लघु मूर्तियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। ब्रिटिश

- **दूसरी ओर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, उसे द्रविड़ संस्कृति गौरव का उदाहरण बताकर, कई आयोजन, प्रदर्शनियाँ, संगीत उत्सव, प्लान कर रही है।**
- **प्र.मंत्री मोदी भी तमिलनाडु के अरिपालू जिले के शहर गंगाईकोण्डा चोलापुरम, जो चोल साम्राज्य की राजधानी थी, जायेंगे और सिक्का जारी करेंगे तथा चार दिन के उत्सव का शुभारंभ करेंगे।**
- **चोल साम्राज्य की सामुद्रिक सत्ता, मलेशिया, इंडोनेशिया व थाईलैण्ड तक फैली हुई थी तथा राजेन्द्र चोल ने उत्तर भारत में कई अभियानों का नेतृत्व किया था।**

इतिहासकारों ने इस नगर की तुलना प्राचीन बेबीलोन से की थी, और अब इसे सजाया जा रहा है।

इसी के साथ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सम्राट की जयंती को राज्य स्तर पर आधिकारिक उत्सव घोषित किया है और चोल साम्राज्य के समुद्री व्यापारिक नेटवर्क, मंदिर वास्तुकला और सांस्कृतिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु 22 करोड़ की लागत से एक संग्रहालय के निर्माण की योजना सहित कई कार्यक्रमों की घोषणा की है।

यह खींचतान दरअसल भारत के इस इतिहास को दो भिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से गढ़ने के प्रयासों को दर्शाती है: स्टालिन का द्रविड़ीय संघवाद बनाम मोदी का अखिल भारतीय राष्ट्रवाद। जहाँ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राजेन्द्र चोल की विरासत को द्रविड़ीय गौरव से जोड़ते हुए क्षेत्रीय पहचान को मज़बूत करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं, प्रधानमंत्री मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर पोर्ट व मुख्यमंत्री कार्यालय बम से उड़ाने के ई-मेल ने हड़कंप मचाया

जयपुर, 26 जुलाई। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट प्रशासन और राजस्थान मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस ई-मेल में जयपुर एयरपोर्ट और सीएमओ को विस्फोटकों से उड़ाने की बात लिखी थी। इसके बाद पुलिस

- **दो घंटे के सघन सर्च अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।**

प्रशासन हरकत में आया। फौरन सीएम ऑफिस के साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू की गई। दो घंटे तक सर्च कार्यवाही चली, पर कुछ नहीं मिला।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड, एसडीआरएफ, डॉग स्क्वॉड का दस्ता और एंटी बम स्क्वॉड सचिवालय पहुंचा और मुख्यमंत्री कार्यालय के चप्पे चप्पे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सरकार ने चुनाव से पूर्व पत्रकारों की पेंशन ढाई गुनी की

बिहार में पत्रकारों को 6,000 रूपए मासिक पेंशन मिलती थी, जो अब बढ़कर 15,000 रूपए हो गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पत्रकारों की पेंशन बढ़ा दी है।

अब बिहार में सेवानिवृत्त पत्रकारों को 15,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो देश में सर्वाधिक है। पहले बिहार के पत्रकारों को 6000 प्रतिमाह पेंशन मिलती थी।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में यह भी घोषणा की कि पत्रकारों की आश्रित पत्नी/पति को अब जीवनभर 10,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो पहले 3,000 प्रति माह थी।

- **इस घोषणा के बाद बिहार में पत्रकारों को देश में सर्वाधिक पेंशन मिलेगी।**
- **नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि पत्रकार के आश्रित पति या पत्नी को अब 3,000 रूपए के बजाय आजीवन दस हजार रूपए मासिक पेंशन मिलेगी।**

उन्होंने लोकतंत्र में पत्रकारों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के पुत्र तेज प्रताप निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

पटना, 26 जुलाई। बिहार चुनाव से पहले तेज प्रताप यादव ने बड़ा ऐलान किया है। आपको बता दें कि तमाम कयासों को किनारे करते हुए तेज प्रताप ने अब साफ कर दिया है कि वह महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि उन्होंने टीम तेज प्रताप बनायी है, जो उनसे जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का प्लेट फॉर्म है। इसके जरिये वे सोशल मीडिया

- **तेज प्रताप ने महुआ सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की।**

से लोगों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, इसे रोज की मेरी एक्टिविटी को, जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा कि टीम तेजप्रताप यादव की तरफ से लोगों को चुनाव लड़वाया जायेगा। उनकी टीम चुनाव लड़ने वाले युवाओं को सपोर्ट करेगी। इस बीच तेज प्रताप यादव ने टोपी का रंग भी बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार चाचा सीएम नहीं बन पाएंगे।

तेजप्रताप यादव आज पहली बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या हाई कोर्ट के दो जजों के खिलाफ एक साथ ''इम्पीचमैंट'' शुरु होगा संसद में?

भाजपा, जस्टिस वर्मा और विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग की कार्यवाही ने लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच टकराव का नया दौर शुरू कर दिया है, जिससे संसद के वर्तमान मानसून सत्र के पूरी तरह ठप होने की आशंका बढ़ गई है।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय राज्यसभा में पिछले सप्ताह हुए एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद हुआ, जब उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित रूप से विपक्ष द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति दे दी। यह प्रस्ताव दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में बेहिसाब अधजली नकदी मिलने, और उनके बचाव के विवादास्पद प्रयास को लेकर था, जिसने एक हाई-प्रोफाइल मामले को जन्म दे दिया। नकदी से जुड़े आरोपों से जस्टिस वर्मा के इनकार के बाद, विपक्ष और सरकार, दोनों के पास तत्काल महाभियोग प्रस्ताव लाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा।

- **इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव पर कथित रूप से विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में ''सांप्रदायिक व अमर्यादित'' टिप्पणी करने का आरोप है। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से फटकार भी पड़ी थी।**
- **विधि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों के खिलाफ एक साथ महाभियोग प्रस्ताव, एक सत्ता पक्ष द्वारा दूसरा विपक्ष द्वारा, लाने से संसद में भारी गतिरोध पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया और यादव के खिलाफ नहीं तो सरकार पर पक्षपात का आरोप लग सकता है।**
- **सूत्रों से पता चला है कि मोदी सरकार गतिरोध की संभावना से निपटने के लिए विपक्षी दलों से ''बैक चैनल'' वार्ताएं कर रही है।**

यह घटनाक्रम सरकार के लिए चौंकाने वाला रहा और उसे संसद में इस संवेदनशील मुद्दे को संभालने के लिए रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर होना पड़ा।

सरकार के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर न्यायपालिका को डराने और संवैधानिक व्यवस्थाओं का राजनीतिक हितों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

साथ ही, विपक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ भी प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। न्यायमूर्ति यादव ने इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित रूप से ''सांप्रदायिक और अमर्यादित'' टिप्पणी की थी, जिसे लेकर भारी विरोध हुआ। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमारे बहादुर जवानों की कुर्बानी प्रेरणा देती रहेगी- प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के

- **उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।**

सम्मान की रक्षा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गमगीन माहौल में पिपलोदी में 6 बच्चों का अंतिम संस्कार हुआ

सहमति बनने के बाद शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद सभी शव मोर्चरी में रखे गये

झालावाड़, 26 जुलाई (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के पिपलोदी गांव के स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे रोजाना की तरह शुक्रवार को भी अपने घरों से स्कूल ड्रैस पहन कर तैयार होकर स्कूल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन वक्त का न तो घर वालों को पता था और न ही हादसे में मौत का शिकार हुए उन सात मासूमों को, कि यही स्कूल की ड्रैस उनका अंतिम परिधान होगी और इसी स्कूल ड्रैस में के अपना अंतिम सफर करेंगे।

पीपलोदी स्कूल हादसे में मौत का शिकार हुए सात बच्चों का 24 घंटे पश्चात अंतिम संस्कार कर दिया गया। पीपलोदी गांव निवासी 6 बच्चों का पीपलोदी गांव में, जबकि एक बच्चे का पास के गांव चांदखेड़ी भीलान में अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार सुबह हुए हादसे में स्कूल की बिल्डिंग में दब कर जान गँवाने वाले सभी बच्चों के शव शुक्रवार शाम को पोस्टमार्टम की सहमति बनने के पश्चात, पोस्टमार्टम करवा कर मनोहर थाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवा दिए गए थे।

बच्चों के परिजनों द्वारा शनिवार सुबह अंतिम संस्कार किए जाने की बात कहने के पश्चात प्रशासन द्वारा बच्चों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था, जहां से शनिवार सुबह 5 से 5.30 बजे के बीच सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए तथा अलग-अलग गाड़ियों से सभी शवों को बच्चों के गांव

- **सातवें बच्चे का अंतिम संस्कार चांदखेड़ी भीलान गाँव में किया गया।**

भिजवाया गया। सुबह लगभग 7.30 बजे तक सभी शवों को अंत्येष्टि के लिए शमशान तक पहुंचा दिया गया था। पीपलोदी गांव में 5 शवों का अंतिम संस्कार एक ही स्थान पर किया गया, जिनमें दो सगे बहन भाई भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, एक अन्य बालिका पायल का अंतिम संस्कार स्कूल भवन के निकट की भूमि पर किया गया।

स्कूल हादसे में मरने वाले सभी बच्चों के शवों को जैसे ही पीपलोदी लाया गया तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। पूरे गांव में महिलाओं के विलाप की आवाज गूंजने लगी, खास तौर पर मरने वाले बच्चों के घर की महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल था।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड़ विधायक वसुंधरा राजे पहले पीपलोदी गांव पहुंची, उसके पश्चात चांदपुरा भीलान में जाकर भी शोक प्रकट किया। राजे प्रत्येक मृतक बच्चे के घर पर गयीं और बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी तथा हर संभव मदद का भी वादा किया। वसुंधरा राजे ने कहा कि मैं भी एक माँ हूँ, ये हादसा माता-पिता और बच्चों के सपनों का अंत है। चांदखेड़ी भीलान में उन्होंने भरे मन से कहा कि यह ऐसी घटना है जिसने मुझे अंदर तक हिला दिया है। राजे के साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, एसपी अमित कुमार भी मौजूद रहे।

झालावाड़ में पिपलोदी के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग के नीचे दबकर जान गंवाने वाले सातों बच्चों के परिवार वालों को 10 लाख रुपए और संविदा पर नौकरी मिलेगी। साथ ही नए स्कूल भवन में बनने वाले कक्षों के नाम मृतक बच्चों के नाम पर रखे जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पीड़ित परिवारों को सहायता राशि के चैक और संविदा पर नौकरी के जॉइनिंग लैटर सौंपे।

राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रमोद जैन भाया भी झालावाड़ अस्पताल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

17 सांसदों को मिला संसद रत्न सम्मान

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा, चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन,

- **17 सांसदों में भाजपा के रवि किशन, निशिकांत दुबे, एनसीपी की सुप्रिया सुले प्रमुख हैं।**

एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत सहित 17 सांसद शामिल हैं।

वहीं, तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इनमें ओडिशा से भाजपा सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध यमराज है। –चाणक्य

आयुर्वेद का रोचक इतिहास

आयुर्वेद चिकित्सा की एक प्राचीन प्रणाली है जो कम से कम 5,000 साल पहले भारत में उत्पन्न हुई। शब्द 'आयुर्वेद' का अर्थ जीवन का ज्ञान है। आयुर्वेद को प्रायः 'जीवन का विज्ञान' या 'जीने की कला' भी कहा जाता है। आयुर्वेद की उत्पत्ति और प्रारंभिक सूत्र वेदों में उपलब्ध हैं, जिनका काल 1500 ईसा पूर्व माना जाता है। वेदों में दर्शन, आध्यात्मिकता और चिकित्सा सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला के बारे में जानकारी है। ऐसा माना जाता है कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को सर्वप्रथम चार वेदों में से एक, अथर्ववेद, में रेखांकित किया गया था। समय के साथ, आयुर्वेद एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के रूप में विकसित हुआ, जिसमें आहार, व्यायाम, ध्यान, उपचार और सर्जरी सहित स्वास्थ्य और कल्याण के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने मानव शरीर की गहरी समझ विकसित की। साथ ही मानव शरीर और पर्यावरण के बीच परस्पर संबंध को भी व्यापक रूप से समझा। इस ज्ञान का उपयोग रोगियों के लिए व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने के लिए किया।

आयुर्वेद भारत में हजारों वर्षों तक फलता-फूलता रहा, लेकिन औपनिवेशिक युग के दौरान इसे कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस काल में पश्चिमी चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा का प्रमुख रूप बनती गई। हालाँकि, हाल के वर्षों में, भारत और दुनिया भर में आयुर्वेद में नए सिरे से रुचि पैदा हुई है, और अब इसे एक मूल्यवान पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता प्राप्त है। आज, आयुर्वेद भारत में व्यापक रूप से प्रचलित है और दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसने लोकप्रियता हासिल की है। आयुर्वेद के सिद्धांत इस विचार पर आधारित हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है और उसका अपना व्यक्तिगत दोष संतुलन है। तीन मुख्य दोष हैं:– वात, पित्त और कफ। प्रत्येक दोष विशिष्ट विशेषताओं और असंतुलन से जुड़ा होता है, और आयुर्वेदिक चिकित्सक इस जानकारी का उपयोग बीमारियों के निदान और उपचार के लिए करते हैं। पश्चिमी चिकित्सा के विपरीत, जो लक्षणों के इलाज पर ध्यान केंद्रित करती है, आयुर्वेद का उद्देश्य बीमारी के मूल कारण को दूर करना और शरीर और दिमाग में संतुलन बहाल करना है।

हालाँकि आयुर्वेद का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है, पर इसे विवादों में घसीटने का इतिहास भी कम लम्बा नहीं है। कुछ आलोचकों को आयुर्वेदिक उपचारों की सुरक्षा और प्रभावकारिता के बारे में चिंता लगी रहती है। इसके अतिरिक्त, दूषित आयुर्वेदिक उत्पादों के रोगियों को नुकसान पहुँचाने के बारे में भी अब बहुत प्रकाशन होता है। इन आलोचनाओं के बावजूद, आयुर्वेद चिकित्सा लोकप्रिय और कारगर है, और दुनिया भर के असंख्य लोगों ने आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से उन रोगों से राहत पाई है जिन्हें आधुनिक चिकित्सा पद्धति ठीक नहीं कर पाती। समकालीन विश्व में जैसे-जैसे प्राकृतिक और पूर्ण स्वास्थ्य सेवा में रुचि बढ़ रही है, आयुर्वेद चिकित्सा की भूमिका भी बढ़ती जा रही है।

आयुर्वेद को मूल रूप से अथर्ववेद का उपवेद माना जाता है। इसका मूल कारण यह है कि अथर्ववेद में न केवल बहुत स्पष्ट रूप से चिकित्सा का वर्णन है, अपितु ऋग्वेद की तुलना में औषधियों की संख्या भी अधिक अंकित है। यह बात सत्य है कि ऋग्वेद का औषधि सूक्त आयुर्वेद का सबसे पुराना दस्तावेज है, किन्तु अथर्ववेद में भारतीय चिकित्सा पद्धति का तुलनात्मक रूप से अधिक प्रायोगिक विस्तार मिलता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति भारत की मूल्यवान और अनोखी धरोहर है। आयुर्वेद का उद्भव काल 6000 ई. पू. माना जाता है, पर मतभिन्नता के बावजूद इसे 5000 साल पुरानी चिकित्सा पद्धति तो माना ही जाता है। आयुर्वेद का सबसे पुराना उपलब्ध ग्रन्थ ई. पू. पांचवी शताब्दी में आचार्य चरक द्वारा लिखित चरक संहिता है। उसके पश्चात् सुश्रुत संहिता, अष्टांग हृदय, सारंगधर संहिता, माधव निदान, भावप्रकाश आदि ग्रन्थ लिखे गये। इनमें से चरक संहिता से प्रारंभ कर 15वीं शताब्दी में लिखित भावप्रकाश तक का समयकाल लगभग 2000 वर्ष का है। इस यात्रा में आचार्य नागार्जुन की रस औषधियों सहित तमाम रोचक नवाचार हुये जो आज भी आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों के चेहरे पर मुस्कराहट ला रहे हैं।

संक्षेप में देखा जाये तो अथर्ववेद काल में चिकित्सा मुख्य रूप से देवताओं के ऊपर आश्रित मानी जाती थी, यही कारण है कि इस प्रकार की चिकित्सा को बाद में आयुर्वेद संहिता काल में दैव-व्यापाश्रय चिकित्सा के रूप में जाना गया है। अथर्ववेद काल की चिकित्सा में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एक रोग के लिए एक औषधि का प्रयोग ही दृष्टिगत होता है, किन्तु साथ ही उपचार में देवताओं, मंत्रों, पूजा-पाठ आदि अनिवार्य रूप से प्रयुक्त हुये। दैवव्यपाश्रय चिकित्सा का यह श्रेष्ठ काल रहा है।

अथर्ववेद परम्परा का कौशिक सूत्र इस परम्परा का अगला पड़ाव माना जाता है। कौशिक सूत्र मूलतः अथर्ववेद परम्परा का सूत्र है। अतः स्वाभाविक रूप से अथर्ववेद की चिकित्सा तथा औषधीय पौधों के संदर्भ और प्रक्रिया यथावत पायी जाती है। तथापि अथर्ववेद और कौशिक सूत्र दोनों में उपलब्ध चिकित्सा विवरण में कुछ मूलभूत अन्तर है।

जहां एक ओर अथर्ववेद में एक रोग के लिये एकल औषधि और साथ में पूजा-पाठ का विधान प्रयुक्त किया गया है, वहीं कौशिक सूत्र में पूजा-पाठ का विधान तो है परन्तु एकल औषधियों की जगह रोगों के लिये अनेक औषधियों के मिश्रण या योग का प्रयोग हुआ। दूसरा अंतर यह आया कि कौशिक सूत्र में ऐसी अनेक औषधियां वर्णित हैं, जिनका संदर्भ अथर्ववेद में नहीं मिलता है। इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि आयुर्वेद के विकास की यात्रा में अथर्ववेद एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, किन्तु बाद में रचित कौशिक सूत्र में नई औषधियों और रोगों के लिये नवाचारी योग जुड़ गये। हालांकि कौशिक सूत्र में भी स्पष्टतया पूजा-पाठ को चिकित्सा में उपयोग लेने की अथर्व परम्परा को तो यथावत दिया गया, परन्तु केवल पूजा-पाठ और एक औषधि की बजाय बहुत औषधियां योग देने का तात्पर्य यह लगाया जाता है कि पूजा-पाठ के साथ-साथ औषधियों को भी बराबर का महत्त्व दिया गया है। अथर्व परम्परा का कौशिक सूत्र निश्चित रूप से आयुर्वेद के विकास में एक मील का पत्थर है। परन्तु यह भी सही है कि चिकित्सा के मूल दर्शन के रूप में पूजा-पाठ (दैवव्यपाश्रयचिकित्सा) आदि को कौशिक सूत्र में भी बराबर महत्व दिया गया है।

> **पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।**

आगे चलकर संहिताकाल, जो लगभग 1000 वर्ष ईसा पूर्व से लेकर पहली शताब्दी तक माना जा सकता है, को आयुर्वेद का स्वर्णकाल कहा जाता है। एक अत्यन्त महत्वपूर्ण बात यह है कि संहिताकाल में उस समय तक चिकित्सा का जो भी ज्ञान वेदों, उपनिषदों, ब्राम्हणों या सूत्रों में उपलब्ध था, उस सम्पूर्ण ज्ञान को एकत्र कर संहिताकाल में आचार्यो ने जांच-परख कर और प्रत्यक्ष प्रायोगिक परीक्षण कर संहिताबद्ध किया। यही कारण है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चिकित्सा यर्थाततः युक्ति-व्यापाश्रय (प्रमाण-आधारित या रेशनेल मेडिसन) में बदल गई। इस प्रकार अंततः आयुर्वेद पूर्णतः वैज्ञानिक धरातल पर आ गया।

संहिताकाल का आयुर्वेद वांग्मय मूल रूप से चरकसंहिता और सुश्रुतसंहिता में उपलब्ध है। चरकसंहिता मूलतः कायचिकित्सा से संबंधित ग्रन्थ है, जबकि सुश्रुत संहिता मूलतः शल्यचिकित्सा से संबंधित है। दोनों में इस असमानता के बावजूद दोनों संहितायें प्रमाण-आधारित वैज्ञानिक दृष्टिकोण को ही प्रतिपादित करती हैं। इन संहिताओं में प्रमाण, कारण-कार्य प्रभाव, तर्क-संगतता आदि को उतना ही महत्व दिया गया है जितना कि आज के वैज्ञानिक शोध में दृष्टिगोचर होता है। यही कारण है कि पूरा विश्व आचार्य सुश्रुत को शल्य-चिकित्सा का जन्मदाता मानता है।

आचार्य सुश्रुत ने शल्य क्रिया के इतने विस्तृत सूत्र और विधियाँ लिखा कि उसमें कोई ऐसा कदम नहीं छूटा जिसे आज आधुनिक विज्ञान ने बिलकुल नये सिरे से खोजा हो। यहाँ तक कि शल्य क्रिया में प्रथक से काम आने वाले जो औजार जगह आचार्य सुश्रुत ने डिजाइन किये उसमें कोई बहुत बड़ा परिवर्तन आज भी नहीं आया है। लगभग समान औजार आज भी प्रयुक्त हो रहे हैं। आप यह कह सकते हैं कि इन औजारों के निर्माण के लिये आज बेहतर तकनीक तो उपलब्ध है, किन्तु उनके मूलभूत डिजाइन में कोई विषेष अन्तर नहीं आया है।

इस संक्षिप्त चर्चा से स्पष्ट हो जाता है कि वैदिक काल से लेकर संहिता काल तक और संहिता काल से आज तक आयुर्वेद के विकास की एक बड़ी रोचक यात्रा रही है।

आधुनिक विज्ञान की दृष्टि से परखने पर चरक संहिता शरीर-विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, खाद्य एवं पोषण, पाचनतंत्र एवं पाचन-क्रियाविज्ञान, रक्त-परिसंचरण तंत्र, मानस-विज्ञान, रोग निदान-विज्ञान, प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी, मेडिको-बॉटनी, एवं काय-चिकित्सा जैसे अनेक विषयों का महत्वपूर्ण ग्रन्थ है।

आज विश्वभर के वैज्ञानिक अपने शोध-पत्रों के प्रकाशन में पूर्ववर्ती शोध का संदर्भ देते हैं, ठीक उसी प्रकार प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने, समय और ज्ञान की लंबी यात्रा में उत्तरोत्तर, अपने पूर्ववर्ती विद्वानों की शोध का विवरण देते हुये आयुर्वेद को उत्तरोत्तर स्वयं के अनुभवों से परिष्कृत किया। चरक संहिता में वर्णित औषधीय पौधों की प्रजातियों की संख्या और उपयोगिता का वर्णन बाद के ग्रन्थों में निरंतर बढ़ता गया है। चरक संहिता में कुल 627 औषधीय पादपों को पहचाना जा सका है। सुश्रुत संहिता और अष्टांगहृदय सहित मुख्य ग्रंथों को मिलायें तो 1250 औषधीय पौधों का आयुर्वेद में अधिक उपयोग हो रहा है।

आचार्यों ने अपने पूववर्ती विद्वानों द्वारा बताई गई औषधियों पर प्रमाण-आधारित भरोसा किया। साथ ही, स्वस्थ व्यक्तियों के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगियों की रुग्णता शान्त करने के लिये समय के साथ नई-नई औषधियों की खोज, या पूर्व से ज्ञात औषधियों के नवीन गुणों को पहचाना, परिभाषित किया और अपने ग्रन्थों में उल्लेख किया।

समय के साथ बढ़ती विशेषज्ञता भी बड़ी रोचक है। चरक संहिता में यद्यपि आयुर्वेद चिकित्सा के सभी अंगों को समाहित किया गया, परंतु मूल ध्यान काय-चिकित्सा और रसायन चिकित्सा की ओर ही रहा। आचार्य सुश्रुत ने आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं का विवरण दिया, परंतु सुश्रुत संहिता में विशेषज्ञता शल्यक्रिया में केन्द्रित रही। काश्यप संहिता बाल एवं महिला स्वास्थ्य पर केन्द्रित है। आचार्य चक्रदत्त ने एकल औषधि चिकित्सा पद्धति में विशेषज्ञता विकसित कर लिखा। इसी प्रकार पॉली-हर्बल या बहु-पादपीय औषधियों द्वारा चिकित्सा में आचार्य सारंगधर का कोई सानी नहीं है।

आयुर्वेद में आधुनिक वैज्ञानिक शोध हालाँकि अभी बहुत अधिक नहीं है, फिर भी स्कोपस डेटाबेस से ज्ञात होता है कि वर्ष 1923 से 2025 के दौरान प्रकाशित कुल 65,508 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है, उनमें से 16,146 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केन्द्रित हैं। इसके अतिरिक्त आयुर्वेद में प्रयुक्त औषधीय पौधों पर कम से कम 15 लाख से अधिक शोधपत्र हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जीनोमिक्स, होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हो रहा है। आधुनिक विज्ञान के समावेश से आयुर्वेद का और बेहतर उपयोग मानवता के कल्याणार्थ किया जा सकता है, परन्तु यह तभी संभव है जब वर्ष 1600 से 1947 के मध्य आयुर्वेद को दुर्बल करने के जितने भारी प्रयास हुये, उससे दुगने प्रयास अब इसे आगे बढ़ाने के लिये किये जायें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी क्यों?

अशोक शर्मा

उच्च शिक्षा संस्थानों, विशेषकर विश्वविद्यालयों में, शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति में देरी एक गंभीर और बहुआयामी समस्या है। इसमें कई बार कुलपतियों द्वारा जानबूझकर की जाने वाली देरी की भी भूमिका होती है। यह सिर्फ प्रशासनिक अक्षमता का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई जटिल कारण हो सकते हैं:

जानबूझकर देरी के संभावित कारण

कुलपतियों द्वारा पदोन्नति में जानबूझकर देरी करने के कुछ मुख्य कारण ये हो सकते हैं:–

राजनीतिक हस्तक्षेप और पक्षपात:–

चहेतों को लाभ: कुलपति कई बार अपने राजनीतिक आकाओं या व्यक्तिगत चहेतों को समायोजित करने के लिए नियुक्तियों या पदोन्नति को रोक सकते हैं, ताकि उनके पसंदीदा उम्मीदवारों के लिए रास्ता बनाया जा सके।

सत्ता का दुरुपयोग: कुलपति अपनी स्थिति का दुरुपयोग करके उन शिक्षकों को पदोन्नति से वंचित कर सकते हैं जिनसे उनके व्यक्तिगत या राजनीतिक मतभेद हों। नियंत्रण बनाए रखना: कुछ कुलपति देरी करके या नियमों को तोड़-मरोड़ कर शिक्षकों पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं।

आर्थिक और वित्तीय दबाव:–

वित्तीय लाभ: कुछ मामलों में, देरी करके या पदोन्नति को रोककर वित्तीय लाभ कमाने की कोशिश की जा सकती है, जैसे किसी विशेष सलाहकार या बाहरी व्यक्ति को भुगतान करना।

बजट की कमी: विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त बजट न होने पर भी कुलपति पदोन्नति को टाल सकते हैं, ताकि वेतन वृद्धि के अतिरिक्त बोझ से बचा जा सके। यह जानबूझकर न होकर मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन इसका परिणाम देरी ही होता है।

प्रशासनिक जटिलताएं और अक्षमता (जो जानबूझकर भी हो सकती है):–

अधिकारों का केंद्रीकरण: कई बार कुलपति सभी निर्णय अपने हाथ में रखना चाहते हैं, जिससे प्रक्रियाएं धीमी हो जाती हैं।

जटिल प्रक्रियाएं: पदोन्नति की प्रक्रियाएं इतनी लंबी और जटिल होती हैं कि जानबूझकर देरी करने के लिए उनमें आसानी से (कमजोरियाँ) मिल जाती हैं।

निर्णय लेने में अनिच्छा: विवादास्पद मामलों या कानूनी उलझनों से बचने के लिए भी कुछ कुलपति निर्णय लेने में देरी करते हैं।

कार्यकाल का प्रभाव:

कार्यकाल के अंत में: जब कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने वाला होता है, तो वे बड़े निर्णय लेने से बच सकते हैं, या फिर केवल उन नियुक्तियों और पदोन्नति पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जो उनके लिए फायदेमंद हों।

देरी के व्यापक कारण (जानबूझकर के अलावा)

कुलपतियों की भूमिका के अलावा, शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के कई अन्य संस्थागत और संरचनात्मक कारण भी हैं:–

सरकारी और नियामक बाधाएं:–

नोडल एजेंसियों का हस्तक्षेप: उच्च शिक्षा के लिए कई नोडल एजेंसियां (जैसे– शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारें) होती हैं, जिनके बीच समन्वय की कमी और (अतिव्यापी) जिम्मेदारियां देरी का कारण बनती हैं।

नियमों में अस्पष्टता: पदोन्नित के नियमों और दिशानिर्देशों में अस्पष्टता या बार-बार बदलाव से भी प्रक्रियाएं बाधित होती हैं।

खाली पद: केंद्रीय विश्वविद्यालयों में हजारों और राज्य विश्वविद्यालयों में 40 प्रतिशत से अधिक शिक्षण पद खाली हैं। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया ही इतनी धीमी होती है कि पदोन्नति के अवसर भी कम हो जाते हैं।

कानूनी मुकदमेबाजी:

न्यायालयीन हस्तक्षेप: नियुक्तियों या पदोन्नति से संबंधित विवादों के कारण कई बार मामले न्यायालयों में चले जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया रुक जाती है। आरक्षण नीतियों, पात्रता मानदंडों या चयन प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर अक्सर मुकदमे दायर होते हैं।

प्रशासनिक अक्षमता और भ्रष्टाचार:–

लंबित फाइलें: विश्वविद्यालयों के अंदर फाइलों का लंबित रहना, नौकरशाही की सुस्ती, और नियुक्तियों एवं पदोन्नति समितियों की निष्क्रियता आम समस्याएं हैं।

पारदर्शिता की कमी: चयन और पदोन्नति प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी भी देरी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।

संसाधनों की कमी:–

वित्तीय बाधाएं: कई विश्वविद्यालयों को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे वे नए पद सृजित करने या पदोन्नत शिक्षकों को बढ़ा हुआ वेतन देने में असमर्थ होते हैं।

बुनियादी ढांचे का अभाव: अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और डिजिटल संसाधनों की कमी भी प्रशासनिक प्रक्रियाओं को धीमा करती है।

देरी का प्रभाव : शिक्षकों की पदोन्नति में देरी के गंभीर परिणाम होते हैं:–

शिक्षा की गुणवत्ता पर असर: योग्य शिक्षकों की कमी और मौजूदा शिक्षकों पर काम का बोझ बढ़ने से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

अनुसंधान में कमी: शिक्षकों को पदोन्नति के लिए प्रोत्साहन न मिलने से वे अनुसंधान और उच्च स्तरीय शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

नैतिक पतन: पदोन्नति में अनिश्चितता और देरी से शिक्षकों में निराशा, नैतिक पतन और प्रेरणा की कमी आती है।

विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली: फैकल्टी की कमी से कक्षाओं में भीड़भाड़, अकादमिक कैलेंडर में देरी और समग्र रूप से विश्वविद्यालय का कामकाज बाधित होता है।

प्रतिभा पलायन: योग्य शिक्षक बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य संस्थानों या देशों का रुख कर सकते हैं।

समाधान के प्रयास और चुनौतियाँ

सरकार और ने इस समस्या के समाधान के लिए कुछ कदम उठाए हैं, जैसे:–

ड्राफ्ट रेगुलेशंस 2025: नई शिक्षा नीति 2020 के तहत भर्ती और पदोन्नति प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लचीलापन लाने और चयन मानदंडों को अधिक समग्र बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि ये नियम संविदाकरण को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे शिक्षकों की नौकरी की सुरक्षा प्रभावित होगी।

पारदर्शिता बढ़ाना: कई जगहों पर ऑनलाइन आवेदन और चयन प्रक्रियाओं को अपनाने की बात हो रही है। हालांकि, इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सुधार, पारदर्शिता में वृद्धि और पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है। केवल तभी विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की समय पर नियुक्ति और पदोन्नति सुनिश्चित की जा सकेगी।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

पावटा उपखंड क्षेत्र में संचालित सीबीईओ कार्यालय व कई सरकारी स्कूल जर्जर अवस्था में

बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है, ऐसे में जान जोखिम में डालकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं

पावटा, (निसं)। पिपलोदी गांव, झालावाड़ में राजकीय विद्यालय की छत ढहने की हृदयविदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह दुखद हादसा न केवल एक स्थानीय त्रासदी है, बल्कि यह सरकारी विद्यालयों की जर्जर और असुरक्षित स्थिति को उजागर करने वाला एक गंभीर संकेत भी है। इस घटना ने उन लाखों बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, जो रोज़ाना इन खस्ताहाल भवनों में पढ़ने-पढ़ाने के लिए मजबूर हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित सरकारी स्कूलों की स्थिति भगवान भरोसे है। पावटा सीबीईओ कार्यालय सहित विद्यालयों के भवन जर्जर हो चुके हैं। बारिश में छत से पानी टपकता रहता है, दीवारों में दरारें है। ऐसे में जान हथेली पर रखकर बच्चे पढ़ाई करने को विवश हैं।

उपखंड पावटा क्षेत्र में संचालित कई सरकारी स्कूलों में छतें जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच चुकी है।

उपखंड पावटा क्षेत्र के कई सरकारी स्कूल वर्षों पुराने हैं। रख-रखाव के अभाव में इन स्कूलों के भवन व छत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंच गए हैं। इससे इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जान जोखिम में रखकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं। उपखंड पावटा क्षेत्र के आठ महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, 20 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं पावटा सी बी ई ओ कार्यालय सहित 38 राजकीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कमरों की दीवारों पर दरार पड़ गई है। कई के छत क्षतिग्रस्त हैं जिससे कमरों में बारिश का पानी टपकता है। विवशता में बच्चे जर्जर भवन में पढ़ने को विवश है। विद्यालयों में कमरों, बरामदों में दरार को देखते हुए केवल दीवार ही नहीं बल्कि स्कूल की छत की दशा भी बेहतर नहीं है। छत से पानी रिसने के कारण बच्चों को खासी परेशानी होती है। अभिभावकों में डर

> ■ **उपखंड पावटा क्षेत्र के स्कूलों में कुछ को छोड़कर बाकी लगभग सभी संसाधनों का अभाव झेल रहे हैं**

बना रहता है। विद्यालयों की दशा में सुधार के लिए प्रशासन और नगरीय निकाय की ओर से अब तक कोई पहल नहीं की गई है। कमरों की दीवार ढहने या बरामदे की छत गिरने से कभी भी बड़ी घटना हो सकती है। यहां विद्यालयों में कमरे की छते जर्जर है जिससे हल्की सी बारिश में ही रिसाव होने लगता है। विद्यालय की छत व दीवारें दरक गई हैं। इसमें पढ़ने वाले छात्र छत गिरने की आशंका से सहमे रहते हैं। व्हीं आंगनबाड़ी केंद्र के बाहर जलभराव से नन्हें-नन्हें बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र पर जाते समय गंदे पानी में गिरने का डर बना रहता है। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में ही कई विद्यालय व आंगनबाड़ी के भवन पुराने और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं।

सरवाड़ में जमकर बारिश, कई जगह पानी भरा

जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा

सरवाड़, (निसं)। शहर सहित उपखंड क्षेत्र में शनिवार को सुबह से ही बरसात का दौर जारी रहा। वहीं उमस से लोगों को राहत मिली। जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुबह तेज हवाओं व गर्जना के साथ शहर में बारिश का दौर शुरू हो गया जो पूरे दिन रुक-रुककर चलता रहा। बारिश से तापमान में भी गिरावट हुई है। बारिश के कारण शहर की बस्तियों में पानी का भराव हो गया। कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं तेज बारिश की संभावना को देखते हुए अजमेर जिला कलक्टर लोकबंधु ने सुबह ही सभी सरकारी व प्राइवेट स्कूलों के साथ ही आंगनबाड़ियों में अवकाश घोषित कर दिया था। बारिश के चलते चारों तरफ पानी पानी हो गया। लगातार हो रही बारिश के चलते फसलें भी नष्ट होने लगी है। शहर साहित उपखंड क्षेत्र में कई खेतों में दो बार बुवाई हो चुकी है, मगर फसलों में पानी भरने के कारण नष्ट होने की कगार पर है जिससे किसान परेशान नजर आ रहे हैं। वहीं खेतों में फसलों को बचाने के लिए किसान यूरिया का छिड़काव कर रहे हैं।

राशिफल रविवार 27 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र सायं 4:23 तक, वारियान योग रात्रि 3:13 तक, तैतिल करण दिन 10:42 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-सिंह, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सायं 4:23 तक है। राजयोग सायं 4:23 से रात्रि 10:42 तक है। रवियोग सायं 4:23 से आरम्भ होगा। आज मधु श्रदा तीज, लघु तृतीया व्रत है। आज सकर मु. मास 2 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:32 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:14

मेष
आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

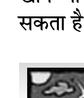

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

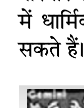

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

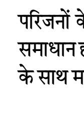

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-गृहस्थी की सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

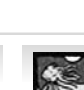

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

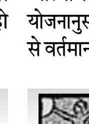

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

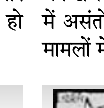

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

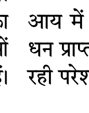

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

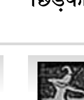

धनु
धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

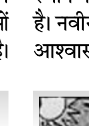

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

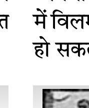

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

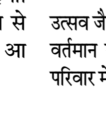

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

नरेन्द्र सिंह झारीला अध्यक्ष नियुक्त

करौली, (निंसं.) विश्व हिंदू परिषद के द्वारा विश्व के हिंदुओं को संगठित करने के साथ गौ रक्षा का कार्यक्रम संचालित किए हुए हैं इसी परिपेक्ष में करौली जिले में मंडरायल खंड की कार्यकारिणी का गठन किया गया।

विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष चैरजी सिंह ने बताया कि मंडरायल खंड अध्यक्ष के पद पर नरेंद्र सिंह झारीला को नियुक्त किया गया है। उपाध्यक्ष के पद पर सचिन सिंह जादौन, संगठन में मंत्री के पद पर सत्तीराम मीणा, कोषाध्यक्ष के पद पर पंकज शर्मा, धर्म प्रचारक के पद पर धीरज शर्मा, अंकेश शर्मा को गौरक्षा प्रमुख तथा दुर्गा वाहिनी के पद पर वसुधा पत्नी नरेंद्र सिंह झाड़ीला को नियुक्त किया गया है।चैरजी सिंह ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद के द्वारा विश्व के हिंदुओं को संगठित करने के साथ गौ रक्षा का कार्यक्रम संचालित किए हुए हैं इसी परिपेक्ष में करौली जिले में मंडरायल खंड की कार्यकारिणी का गठन किया गया।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद व जिला सैनिक कल्याण बोर्ड ने कारगिल विजय दिवस मनाया

■ भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में शहीदों को नमन किया

भरतपुर (निस)। पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं जिला सैनिक कल्याण बोर्ड भरतपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस की 26 वर्षगांठ शहीद स्मारक लोहागढ़ स्टेडियम भरतपुर में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाई गई जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी मुख्य अतिथि एवं तथा कार्यक्रम में जिला कलेक्टर के साथ, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदेश शर्मा, सेंट्रल गवर्नमेंट काउंसिल, (भारत सरकार) एवं अध्यक्ष पूर्व सैनिक सेवा परिषद भरतपुर के सानिध्य में संपन्न हुई

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी ने शहीदों की याद में शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित की एवं उसके बाद जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल चौहान, कर्नल के वी एस ठेनुआ, कर्नल विजय सिंह, ईसीएचएस अधिकारी,, कर्नल ओमवीर सिंह, कार्यक्रम में जिला कलेक्टर के साथ एसडीएम सिटी, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के महामंत्री विक्रम सिंह राजावत, राष्ट्रीय कवि नरेंद्र निर्मल, डॉक्टर आलोक शर्मा, पार्षद समुंदर सिंह, आदि व्यक्तियों ने शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित किए कार्यक्रम में उपस्थित वीरांगना वीरांगना मालती जिनके पति हवलदार भगवान सिंह अगोर कारगिल वॉर में शहीद हुए थे का जिला कलेक्टर द्वारा सम्मान किया गया

अतिथियों का स्वागत करते हुए क़र्नल कर्नल अनिल चौहान ने बतलाया 1971 के बाद भारत-पाक की युद्ध की है सबसे बड़ी घटना थी यह युद्ध 3 मई से 26 जुलाई 1999 तक (कुल 2 महीने 3 सप्ताह 2 दिन) चला, समुंद्र तल से ऊंचाई एवं दुश्मन की ऊंची चोटियों पर होने के कारण भारतीय सेना के लिए यह युद्ध एक चुनौती था जिसको की करीब 500 वीर सेनानियों के बलिदान से हमारी विजय गाथा लिखी गई उनकी का उनके कारगिल विजय में कारगिल युद्ध में अपने अनुभवों को सुनकर मुख्य अतिथि सहित सभी के रोंगटे खड़े हो गए जिला कलेक्टर कमर उल जमान चौधरी ने अपने उद्बोधन में यह कहा कि भारतीय सेनाओं का हर भारतीय नागरिक पर एक विशेष कर्ज है और यह सेनाएं पहाड़ में, रेगिस्तान में, और समुंदर में अपनी वीर गाथाएं लिखती हैं जिसके कारण हम लोग शहर के अंदर शांतिपूर्वक अपनी प्रशासनिक क्षमताओं को रूप से पाते हैं कारगिल विजय दिवस भरतपुर की वीरांगना गायत्री देवी जिन्होंने अपने पति अजान के बलिदान निवासी वीरेंद्र सिंह को अपने कंधों से विदाई दी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के लाल किले से यह कथन कि इस राष्ट्र के पास ऐसी वीरांगना है तब तक कोई दुश्मन भी इस राष्ट्र का बाल बांका नहीं कर सकता हम भरतपर वासियों के लिए गौरव और बलिदान को याद दिलाता रहता है अध्यक्ष सुदेश शर्मा ने वायु सेना में रहने के दौरान लेह लद्दाख एवं भुज कच्छ की घटनाओं से सब को रोमांचित कर दिया एवं आए हुए अतिथियों का स्वागत किया धन्यवाद ज्ञापन किया उन्होंने कहा जब जब देश की सुरक्षा की बात आई तब तक वीर सपूतों ने अपनी जान निछावर कर देश के मान और सम्मान को ऊंचा रखा ऐसे लोहागढ़ के शहीद और वीर सैनिकों को शत शत नमन कार्यक्रम का संचालन भरतपुर की गौरव सेनानी एवं राष्ट्रीय कवि नरेंद्र निर्मल ने किया द्वारा समय-समय पर कारगिल युद्ध की घटनाओं का विवरण प्रस्तुत कर कारगिल विजय दिवस को और भी रोमांचक बना दिया इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खूबसूरती यह रही की एक साथ दो पीढियों ने कर्नल केवीएस तेनुआ एवं उनके पुत्र कैप्टन यशविंदर सिंह ने एक साथ शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की संत कृपाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की एनसीसी व अन्य बच्चों ने अन्य छात्रों ने कदम से कदम मिलाकर सैनिकों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौरव सेनानी शहर के गणमान्य व्यक्ति डॉक्टर आलोक, पार्षद समुंदर सिंह, अधिवक्ताओं की ओर से युवा अधिवक्ता एडवोकेट विपिन कुमार ने, नगर परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक विजय पाल सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के महामंत्री विक्रम सिंह राजावत, प्रशासनिक अधिकारी सूबेदार विजेंद्र सिंह, बॉस सूबेदार सुखपाल, सिंह अध्यक्ष वेटरन इंडिया भरतपुर, पेटी ऑफिसर नंदकिशोर, कौशल सिर्फ आदि ने पुष्प चक्र अर्पित किए।

सार-समाचार

जागरूकता शिविर का आयोजन

भरतपुर (निस)। राजकीय आयुर्वेद एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में वार्षिक निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं कार्यशालाओं के आयोजन की श्रृंखला में एक दिवसीय निशुल्क मधुमेह जांच एवं चिकित्सा शिविर प्राचार्य डॉ. यशपाल सिंह उपाधीक्षक डॉ चन्द्र प्रकाश दीक्षित की मौजूदगी में भारत विकास परिषद लोहागढ़ शाखा के सहयोग से लगाया गया। शिविर का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना द्वारा किया गया। शिविर में 80 से अधिक रोगियों की जांच कर निशुल्क औषधि उपलब्ध कराई गई। शिविर में आए रोगियों को मधुमेह से बचाव हेतु नियमित रूप से योग व्यायाम करने एवं सुबह-शाम घूमने को दिनचर्या में शामिल करने एवं संतुलित खान-पान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने रहने की सलाह दी गई। शिविर में सचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से मधुमेह में उपयोगी योग व्यायाम एवं फायदेमंद आहार में शामिल किए जाने वाली चीजों के बारे में बताया गया। शिविर प्रभारी डॉ मनीषा गुर्जर सहित प्रधान चिकित्सक डॉ रीना खंडेलवाल डॉ कुलदीप शर्मा डॉ पिंकी चौहान डॉ श्यामवीर घुरैया डॉ रेनू वर्मा डॉ अरविन्द शर्मा डॉ राजकुमार झा डॉ प्रियंक शर्मा डॉ मोहन स्वरूप शर्मा डॉ राजेन्द्र वैष्णव द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर भारत विकास परिषद लोहागढ़ शाखा के सचिव जितेंद्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।सभी का आभार व्यक्त शिविर समन्वयक डॉ चन्द्र प्रकाश दीक्षित द्वारा व्यक्त किया गया।

देशभक्ति की गाथाओं का स्मरण

भरतपुर (निस)। शहर कांठोस कमेटी के अध्यक्ष डॉ दयाचंद पचौरी के नेतृत्व में कारगिल दिवस मनाया गया । इस अवसर पर किला स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर एवं शहीदों को नमन कर याद किया गया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष डॉ दयाचंद पचौरी एवं पीसीसी सदस्य साहब सिंह एडवोकेट ने देश पर मर मिटने वाले शहीदों को याद करते हुए शहीदों की गौरव गाथाओं पर प्रकाश डाला। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारने पर भारतीय जवानों की सराहना की। इस अवसर पर अभी हाल ही में झालावाड़ जिले में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग ढहने से मासूम बच्चों की हुई मौत पर उन्हें भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंत में सभी का आभार जिला कांठोस के संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने किया। इस अवसर पर गंगाराम पाराशर, रमेश पाठक प्रेम सिंह प्रजापत, इंजीनियर जीवन लाल शर्मा, भगवान कटारा, नदीम मलिक,रामेश्वर सैनी, चंद्रकांत शर्मा,बशीर खान, किशन सिंह जायसवाल, पूनम चंद शर्मा, सरदार सतपाल सिंह, वीरेंद्र नागर, कैलाश सारवान, गजराज सिंह, हेमंत गादोली, रामचरन पावटा, दीपक लवानिया, आशीष राजपूत,इंदुसेखर शर्मा आदि मौजूद रहे।

तीज महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर (निस)। भरतपुर में कुम्हेर गेट स्थित लवकुश अपार्टमेंट में महिला मण्डल द्वारा तीज महोत्सव का प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें सभी महिलाओं ने तीज महोत्सव बडी धूमधाम से मनाया। इस कार्यक्रम में सीमा शर्मा, रूना गुलाटी, सुषमा अरोडा, अंशु सिंघल, रजनी सिंघल, सुमन, समता खंडेलवाल, अंजु खंडेलवाल, दीपा खंडेलवाल, अर्पिता, संगीता, नीरू अग्रवाल आदि महिलाओं ने भाग लिया।

स्वतंत्रता सेनानी की पुण्य तिथि आज

करौली, (निंसं.) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं ग्राम सेवा मंडल के संस्थापक स्वर्गीय चिरंजी लाल शर्मा की 36बी पुण्यतिथि के अवसर पर आज रविवार को संस्था परिसर में स्मारक स्थल पर प्रात: 10:00 बजे पौधारोपण किया जावेगा जिसमें मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना होंगे।

घायलों के स्वास्थ्य लाभ की कामना

भरतपुर (निस)। राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ राजस्थान के वरिष्ठ कांठोस नेता एवं प्रदेश महामंत्री अवधेश कुमार शर्मा ने पीपीलोद झालावाड में सरकारी स्कूल में हुए हादसे में मृत बच्चों को हार्दिक श्रद्धांजलि दी एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए राजस्थान सरकार सें मांग की है कि पूरे राजस्थान के समस्त जर्जर हुए सरकारी स्कूलों एवं अन्य विभागों के जर्जर हो रही इमारतों की जांच कराकर शीघ्र ही उनको सही कराया जावे एवं स्कूलों में जब तक के लिए बच्चों की पढाई हेतु वैकल्पिक व्यवस्था कराई जावे जिससे उनकी शिक्षा निरंतर रूप से चलती रहे। कारगिल युद्ध में हुए अमर शहीदों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनको नमन किया गया।

विद्यालय में पिलाया काढ़ा

करौली । मासलपुर तहसील के चैनपुर कस्बे के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय में शनिवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के डॉ रमण स्वरूप शर्मा द्वारा मौसमी बीमारियों के बचाव के लिए काढ़ा पिलाया। विद्यालय स्टाफ रमाकांत,राजकुमार,हरिओम, के साथ सोनिया,परी ,ज्योति और समाज सेवी जीतू बना ने काढ़ा वितरण और काढ़ा बनाने में सहयोग किया विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र सिंह जोनवाल ने चिकित्सा अधिकारी सहित सहयोग करने वालीं टीम को धन्यवाद दिया इससे पूर्व आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने बच्चों को भोजन विधि की स्वास्थ्य बर्धक जानकारी देते हुए कहा कि आहार के प्रति सजग रहना चाहिए आहार ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अनूठी पहल

भरतपुर (निस)। भरतपुर में जघीना गेट स्थित महर्षि दयानंद वैदिक साधु आश्रम बच्चों के शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के लिए प्रतिदिन निशुल्क योग कक्षाएं एवं बॉक्सिंग प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली की ओर अठासर किया जा रहा है। आश्रम के संरक्षक गिरिराज प्रसाद शर्मा बछामदी, प्रधान झमन सिंह , मंत्री बलवीर सिंह, कोषाध्यक्ष मूलचंद, संगठन मंत्री डॉ. देवेंद्र भारद्वाज एवं आश्रम मंत्री व बॉक्सिंग कोच सुरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में यह सेवा कार्य संचालित हो रहा है। योग विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र भारद्वाज के निर्देशन में बच्चों और युवाओं को मानसिक एकाठाता, आत्मशक्ति और स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। शाम की शाखा एवं बॉक्सिंग प्रशिक्षण प्रशिक्षित कोच सुरेंद्र सोलंकी द्वारा बच्चों को निशुल्क बॉक्सिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन कक्षाओं के माध्यम से बालक-बालिकाओं को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं हेतु तैयार किया जा रहा है।

टीबी रोगियों को वितरित की नि:शुल्क पोषण किट

करौली,(निंसं.) डांग विकास संस्थान करौली की ओर से प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी रोगीयों को पोषण किट वितरित की गई। डांग विकास संस्थान के सचिव डॉ. विकास भारद्वाज ने बताया कि संस्थान करौली जिले की मासलपुर, करौली, मंडरायल तहसील के 40 गांवों के 6000 परिवारों के साथ सिलिकोसिस पीड़ितों, टीबी रोगियों,खनन श्रमिकों, व खान व सिलिकोसिस पीड़ितों की विधवाओं को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से जोड़ने, सिलिकोसिस उपचार शिविर, सुरक्षित खनन पर करौली टांकी टूल से करने,मेडिकल किट वितरण के साथ साथ जागरुकता का कार्य किया जा रहा है।

संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि टीबी मुक्त कार्यक्रम के अंतर्गत दवाई के साथ साथ पोषण की आवश्यकता को देखते हुए संस्थान द्वारा करौली मंडरायल व मासलपुर ब्लॉक के गावों के 50 टीबी रोगियों को पोषण किट वितरण की गई इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीना ने संस्थान के कार्य की सराहना करते हुए कहा किआगे भी संस्थान उक्त गांवों के 100 टीबी रोगियों को इलाज से पूरी तरह जोड़ने निक्षय आई डी द्वारा मानीटरिंग करने और पोषण किट वितरण करने में सहायक होकर टीबी मुक्त करौली में सहयोग करने मददगार होने की बात कही।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ धर्मेंद्र गुप्ता द्वारा टीबी रोगियों को जानकारी देते हुए बताया कि नियमित इलाज तथा पौष्टिक आहार लेने से रोगी पूर्ण रूप से स्वस्थ होगा खांसते छीकते समय मुंह को ढक कर रखे खुद बचे और औरों को बचाए। इस अवसर पर सभी टीबी रोगियों को पोषण किट वितरण किया गया।

आईईसी समन्वयक लाखनसिंह लोधा द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए।इस अवसर पर डांग विकास संस्थान के सचिव डॉ. विकास भारद्वाज,कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा, सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीना, डॉ धर्मेंद्र गुप्ता, सीएचओ डिस्पैंसरी कल्याणी बबीता जाटव, आईईसी समन्वयक लाखन सिंह लोधा व डांग विकास संस्थान का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पंचायतीराज मंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

■ स्वच्छता से समझौता नहीं, विकास कार्यों की गुणवत्ता हो सुनिश्चित : पंचायतीराज मंत्री

भरतपुर (निस)। पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने पंचायत राज विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए की सरकार की मंशा के अनुरूप सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के विकास, साफ सफाई के कार्य को प्राथमिकता में रखें।

पंचायत राज मंत्री नगर निगम सभागार में भरतपुर एवं डीग जिले के पंचायत राज विभाग की समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में नियमित रूप से साफ सफाई हो, नियमित नालियों की सफाई एवं कचरा उठाओ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होगा नियमित रूप से नालियों की सफाई, गांव में झाड़ू लगाना तथा कचरा उठाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो माह का समय देते हुए सभी गांव में स्वच्छता का कार्य सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर ग्रामीणों से रूबरू हो, विकास अधिकारी महीने में चार दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि विश्राम कर विकास कार्यों मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद बनाएं।

उन्होंने ग्राामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं, विकास कार्यों को गुणवत्ता, सांसद विधायक निधि के कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान के तहत लक्ष्य को पूरा करते हुए चारागाह, सड़कों के किनारे, तालाबों की मेड, सरकारी कार्यालय, स्कूलों में आधिकारिक पौधे लगाये जायें। उन्होंने प्रत्येक नरेगा कार्मिक को 300 पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पौधों की उपलब्धता नहीं होने पर ऐसे पेड़ जिनकी टहनियां लग सकती है उनको लगायें, ड्रोन से बीजों का छिड़काव करें जिससे कोई क्षेत्र पौधारोपण से शेष नहीं रहे।

जल स्वावलंबन अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक कुंड, बावड़ी, तालाब, एनिकट की सफाई कराई जाए। आवश्यक मरम्मत कार्यों को समय पर पूरा करे जिससे जलसंरक्षण हो सके। उन्होंने चारागाह विकास के लिए अतिक्रमण हटवाते हुए सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि गांव में प्लास्टिक डिस्पोजल का उपयोग नहीं हो इसके लिए राज्य सरकार द्वारा बर्तन बैंक स्थापित किए गए हैं। ग्राम पंचायतें स्थानीय समिति को तैयार करें जो रख़रखाव कर सके। आवश्यकता पड़ने पर सामूहिक आयोजन के समय ग्रामीण बर्तन प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि बर्तन बैंक के रखरखाव व साफ सफाई के लिए किराया निर्धारण किया जा सकता है इसके लिए भी ग्राम पंचायत विचार करें। उन्होंने पट्टा वितरण अभियान की समीक्षा करते हुए जिले के सभी घुमंतु परिवारों को चिन्हित कर पट्टा देने, मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विकास अधिकारियों को गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल उपलब्धता के कार्य का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में बताते हुए कहा कि नियमित रूप से सफाई कराई जाए, हरियालो राजस्थान, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान एवं सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं में भरतपुर को अठाणी रखने के लिए सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करेंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मृदुल सिंह ने पीपीटी के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक बयाना ऋतु बनावत, जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा सहित जनप्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। पंचायती राज मंत्री ने किया ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने सेवर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मोरोली कला एवं सहनावली में सफाई व्यवस्था का मौके पर जाकर जायजा लेते हुए ग्रामीणों से रूबरू होकर सफाई के संबंध में फीडबैक लिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया पौधारोपण

करौली । राष्ट्रीय वन एवं पर्यावरण अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद पार्क करौली में प्रमुख खनन व्यवसायी अखिलेश लवानिया द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल रहे इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि श्रीमती इंदु देवी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश राजोरिया, मदन मोहन पचैरी, जिला महामंत्री भाजपा सुरेश शुक्ला, मदन मोहन लवानिया, कन्हैया लाल शर्मा, मनोहरी लाल शर्मा, अरुण शर्मा, राजेंद्र सारस्वत, कल्याण शर्मा पिपरानी वाले, नारायण सिंह, लड्डू गोपाल गुप्ता, बजरंग लाल शर्मा, महेंद्र सूरौठिया, पप्पू माली, रामेश्वर प्रजापत, बंटी लवानिया, प्रमोद शर्मा, पप्पू दाद्दा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसके अलावा खनन व्यवसायी अखिलेश लवानिया ने लवानिया पैलेस पर नवगठित भाजपा जिला कार्यकारणी में जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला एवं जिला प्रवक्ता जितेंद्र सिंह पिचानोत का माला साफा पहनाकर स्वागत किया।

तीज महोत्सव उमंग-उत्साह के साथ संपन्न

भरतपुर (निस)। खंडेलवाल महिला मंडल का तीज महोत्सव कार्यक्रम बड़ी ही उत्साह और उमंग के साथ खंडेलवाल धर्मशाला में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ संत सुंदर दास की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा रही महिला मंडल अध्यक्ष अर्चना खंडेलवाल ने अपनी टीम के साथ शिवानी दायमा का माला पटका साफा दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह देखकर उनका स्वागत किया महामंत्री सोनू खंडेलवाल ने बताया कि सभी सखियों का प्रवेश द्वार पर चंदन टीका लगाकर उन्हें गिफ्ट दिया गया उसके पश्चात हमारा कार्यक्रम गणेश वंदना के साथ महिला मंडल की सखियों के द्वारा किया इसी के साथ मंडल की बहनों के द्वारा विभिन्न प्रकार की नृत्य प्रस्तुतियां दी गई एवं हास्य नाट्यय जिसमें परिवार को बांधने के संदेश भी समाहित थे ,कार्यक्रम की संयोजिका विमलेश पितलिया एवं वंदना खंडेलवाल ने एंकर चिरायु सिंगल के साथ मंडल की बहनों को पंक्चुअलिटी गेम एवं विभिन्न प्रकार के ग्रुप गेम्स खिलाकर कार्यक्रम को सफल किया पंक्चुअलिटी गेम की विनर वर्षा खंडेलवालएवं विभिन्न गेम्स की विनर नेहा खंडेलवाल पूजा खंडेलवाल निकिता खंडेलवाल ममता खंडेलवाल कल्पना खंडेलवाल एवं सरोज खंडेलवाल रही

तीज कार्यक्रम के अवसर पर सभी बहने कलरफुल लहरिया पहन कर इंद्रधनुषी छटा फैला रही थी सभी बहनों ने मिलकर सावन की मल्हार पर नृत्य किया और इस कार्यक्रम को शानदार बनाया कार्यक्रम का समापन महिला मंडल की बहनों का सहभोज के साथ हुआ इस कार्यक्रम में शहर महामंत्री मुरारी लाल जी खंडेलवाल महिला मंडल की उपाध्यक्ष पूनम खंडेलवाल संयुक्त मंत्री परिता खंडेलवाल मार्गदर्शन शिप्रा खंडेलवाल कार्यकारिणी मेंबर कुसुम खंडेलवाल सलोनी खंडेलवाल कल्पना खंडेलवाल शालिनी खंडेलवाल सहित महिला मंडल की बहने मौजूद रही।

हर बदलाव एक हादसे के बाद एक नहीं अनेक विद्यालयों के हालत जर्जर

मसूदा, (निसं)। क्षेत्र झालावाड़ व बारां में यह एक अकेला ही नहीं था सरकारी स्कूल कई अन्य सरकारी स्कूलों में भी बच्चों के सिर पर मंडरा रही है मौत झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र में एक सरकारी विद्यालय की इमारत ढहने से हुई जनहानि सिर्फ एक हादसा नहीं बल्कि सरकारी व्यवस्था का ढहना है। जब नई शिक्षा नीति के महिमा मंडल के पीछे सरकार ताली बटोरने में लगी है और जमीनी हकीकत ऐसी है कि स्कूलों की दीवारें और छत बच्चों पर गिर रही हैं।

राजस्थान सरकार मन्दिरों और किलो की मरम्मत और सौंदर्यकरण में करोड़ों खर्च कर रही है जबकि सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतें बच्चों के लिए जानलेवा बन रहीं हैं क्षेत्र में कई विद्यालयों के हालत खराब है जो किसी भी वक्त बड़ा हादसा कर सकती है मसूदा उपखंड मुख्यालय पर बने विद्यालय का दूर दराज गांव आदि विद्यालय की जर्जर हालत है कई जगह बच्चे खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं तो कई विद्यालयों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे कई विद्यालय है जो टूट फुट और सरकारी उपेक्षा का शिकार हैं। ग्रामीणों व विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों द्वारा उच्च अधिकारियों को लिखित प्रार्थना पत्र दे चुके हैं इसके बाद भी सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। क्या प्रशासन को किसी और दर्दनाक हादसे का इंतजार है। हर बदलाव एक हादसे के बाद ही होगा। सरकारी स्कूल अब एक जर्जर बिल्डिंग ही बन कर रह गए। झालावाड सरकारी स्कूल के क्लासरूम की छत गिरी उसमें किताबें बिखरी रही जिन मासूमों की उम्मीदों से मां बाप सपने संवार रहे वे स्कूल के मलबों में उनकी लाशें तलाश रहे स्कूल की हालत जर्जर तो बच्चों की जान जोखिम में क्यों डाली। मसूदा विधानसभा के उच्च अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अपने अपने स्कूलों विशेष निरीक्षण कर उनका जीर्णोद्धार आदि कराकर बच्चों को सुरक्षित विद्यालय मिल सके। पूर्व में भी मसूदा क्षेत्र के विद्यालय झज्जर अवस्था में दोस्तों हो चुके हैं परंतु जनहानि नहीं हुई उसको देखते हुए शिक्षा विभाग विद्यालय प्रशासन अपने-अपने विद्यालय निरीक्षण कर उच्च अधिकारियों को लिखित में शिकायत दर्ज कारण कि यहां पर पानी रिसाव हो रहा है या दरारें आ रही है या अन्य क्षतिग्रास्त कमरे आदि विद्यालय प्रशासन शिकायत तुरंत शिक्षा विभाग जनप्रतिनिधि व स्थानीय प्रशासन अवगत करावें ।मसूदा कस्बे में जर्जर हालत में जूझ रहे मकानों पर कार्रवाई नहीं।मसूदा कस्बे में जर्जर हालत में कई मकान जूझ रहे हैं जिन पर प्रशासन की नजर है लेकिन वह हादसे का इंतजार कर रहे हैं ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन को इस संबंध में अवगत कराया गया लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। लगता हैं प्रशासन किसी हादसे का इंतजार कर रहा है।

बिना कार्य योजना हो रहा विकास कार्यों में धन का दुरुपयोग

■ समृद्ध भारत अभियान निदेशक सीताराम गुप्ता ने कलेक्टर को भेजा सुझाव पत्र

भरतपुर (निस)। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर सुझाव दिया है शहर के समग्र एवं दीर्घकालिक विकास के लिए बिना कार्य योजना तैयार किये जो कार्य कराए जा रहे है उसमें धन की बर्बादी हो रही है ! इन कार्यों से शहरवासियों को समस्याओं से निजात मिलना तो दूर बल्कि उनके लिए कई प्रकार की समस्याएं सामने आ रही है ! ऐसी स्थिति में शहर के विकास के लिए आगामी 25 वर्षों की जनसंख्या व उपलब्ध संसाधनों को ध्यान में रखकर प्रतिष्ठित गैर सरकारी संस्था से कार्य योजना तैयार कराई जाये !

गुप्ता द्वारा लिखे गये पत्र में कहा है कि लोहागढ़ स्टेडियम के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराये जा रहे हैं किन्तु स्टेडियम में जल भराव की समस्या के समाधान के लिए पुनरू 12 करोड़ रुपये के अतिरिक्त टेण्डर जारी किये गये। इसी प्रकार शहर की जसवंत नगर, तिलक नगर सहित अन्य कॉलोनियों में वर्षाजल निकासी के लिए डीजल पम्प लगाये गये किन्तु इन पम्पों का पानी पुन: घुमकर इन्ही कॉलोनियों में आ रहा है जिससे जनता के धन की बर्बादी हो रही है साथ ही समस्याओं का निराकरण भी नही हो पा रहा है। इस सबके पीछे सबसे बड़ा कारण यह नजर आ रहा है कि सम्बधित विभागों के अभियंताओं ने समय पर पर्यवेक्षण नही किया ।

यही स्थिति अमृत योजना के तहत शहर के ऐतिहासिक कुण्डों एवं डिग्गियों की है जहां कराये गये कार्य पहली वर्षा में ही धराशायी हो गये। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक द्वारा लिखे पत्र में यह भी सुझाव दिया है कि ऐलिवेटेड रोड निर्माण के स्थान पर सरकुलर रोड़ को 6 से 8 लेन कराया जाये जिससे राशि भी कम खर्च होगी। इससे पहले सरकुलर रोड़ पर किये गये अतिक्रमणों को हटवाना होगा। पत्र में कहा है कि सबसे पहले राष्ट्रीय राजमार्ग पर सारस चौराहे पर ऐलिवेटेड रोड बनाया जाये क्योकि इस चौराहे पर आये दिन दुर्घटना हो रही है। उन्होंने शहर के बाजारों से अतिक्रमण हटवाने का सुझाव देते हुए कहा है कि अतिक्रमण हटाने के बाद शहर में यातायात सुगम होगा ! उन्होने भरतपुर शहर को जोड़ने वाले रारह व कंजौली फ्लाईओवर की शीघ्र मरम्मत कराने का सुझाव दिया है क्योंकि ये दोनों फ्लाईओवर जर्जर अवस्था में है और कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

गुप्ता ने सुझाव दिया है कि प्रतिष्ठित एजेंसी के माध्यम से आगामी 25 वर्षों के जनसंख्या घनत्व व विकास को ध्यान मे रखकर कार्य योजना बनवाई जाये जिससे शहर का क्रमबद्ध व समय पर विकास हो सके। इसी प्रकार सुजान गंगा को स्वच्छ जल से भरने के लिए बनाये गये रामनगर- दो मोरा से अतिक्रमण हटवाकर कोहनी बांध से जलभराव शुरू कराया जाये जिससे सुजान गंगा प्रदूषण मुक्त होगी और यह पर्यटन स्थल के रूप विकसित हो जायेगी।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि शहर में कराये जा रहे विकास कार्यों के पर्यवेक्षण, निगरानी व समयबद्ध पूरा कराने के लिए सिंचाई, सार्वजनिक निर्माण व जलदाय विभागों के अभियंताओं की एक समिति गठित की जाये और इसी समिति की संतुष्टि के बाद भुगतान कराने की प्रक्रिया शुरू की जाये। उन्होंने सीएफसीडी सहित अन्य विकास कार्यों को समय पर पूरा कराने का सुझाव भी दिया है। उन्होंने आरबीएम, मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थाओं की उपयोगिता से संबंधित ऑडिट रिपोर्ट तैयार कराने का सुझाव भी दिया है।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भरतपुर (निस)। भरतपुर में फोस्टर किड्स प्ले स्कूल में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों को नमन कर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने दो मिनट का मौन रखकर देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्ले स्कूल के निदेशक शुभम सक्सेना ने नन्हे बच्चों को कारगिल विजय दिवस का महत्व समझाते हुए बताया कि यह दिन उन सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद करने का है जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने ष्संदेशे आते हैं... गीत के माध्यम से बच्चों के भीतर देशभक्ति का भाव जागृत किया और संदेश दिया कि हमें भारत माता के सच्चे देशभक्त बनकर ईमानदार, चरित्रवान और निष्ठावान रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। शुभम सक्सेना ने वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाए रखने में योगदान दे। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष रविन्द्र सक्सेना, शिक्षिका राजकुमारी, पूनम, रितु फौजदार, आरिस, राजकुमारी सहित अनेक अभिभावक भी उपस्थित रहे।

देश को स्वतंत्र कराने में घुमंतु जातियों का महत्वपूर्ण योगदान

■ अंत्योदय हमारा लक्ष्य सभी वर्गों के विकास के लिए सरकार संकल्पित- पंचायतीराज मंत्री

भरतपुर (निस)। पंचायतीराज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि देश को स्वतंत्र कराने में घुमंतु जातियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है पूर्वजों द्वारा त्याग और बलिदान कर विदेशी आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि अंत्योदय हमारा लक्ष्य इसे पूरा करने के लिए सरकार ऐसे सभी वर्गों के विकास एवं मुख्य धारा में लाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही हैं।

पंचायतीराज मंत्री शनिवार को बीडीए ऑडिटोरियम में आयोजित घुमंतू जातियों के परिवारों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गाड़िया लौहार का संकल्प देश कैसे भूल सकता है इनका योगदान देश की स्वतंत्रता, अखंडता बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में घुमंतू जातियों के योद्धाओं को पर्याप्त स्थान नहीं मिल पाया, लेकिन सरकार अब इनके उत्थान एवं विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 32 प्रकार की घुमंतू जातियों को चिन्हित कर घुमंतू प्रमाण पत्र बनाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक घुमंतु परिवार को आवासीय पट्टा ग्रामीण क्षेत्रों में दिए जाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अभियान चलाया गया है। इससे प्रत्येक घुमंतु परिवार को आवासीय पट्टा एवं मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि घुमंतु परिवारों की पीढियां बदल गई है पूर्वजों ने जो त्याग बलिदान किया अब हमारा कर्तव्य कि उनके युवाओं को शिक्षा प्रदान कर मुख्य धारा में लाएं, आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर अच्छे नागरिक बनाएं। उन्होंने घुमंतु परिवार के विभिन्न वर्गों से सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को जाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी परिवारों को पट्टे देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुर्नवास किये बिना घुमंतु परिवारों को हटाया नहीं जा सकता इसके लिए माननीय न्यायालय द्वारा निर्देश दिए हुए हैं। नगरीय क्षेत्रों में निवासरत परिवारों की समस्या निराकरण के लिए वे नगरीय विकास मंत्री से वार्ता कर उनकी बात पहुंचायेंगे।

उन्होंने सभी घुमंतु परिवारों को घुमंतू प्रमाण-पत्र प्राप्त करने, मतदाता सूची में नाम लिखवाने तथा सभी बच्चों को विद्यालय भेजने का आव्हान किया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मृदुल सिंह, घुमंतू उत्थान न्यास के अध्यक्ष गोविन्द गुप्ता, राकेश शर्मा, संजय डांगी, वेदप्रकाश पटेल, गिरधारी तिवारी, गिरधारी गुप्ता, सत्येंद्र गोयल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक तथा भरतपुर व डीग जिले के घुमंतु परिवारों के सदस्य उपस्थित रहे।

करौली के इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की जर्जर छत गिरी, बड़ा हादसा टला

गनीमत रही कि हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ, जिससे बड़ी जनहानि टल गई

करौली, (निसं)। करौली जिले के सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई। गनीमत रही की हादसा स्कूल खुलने से पहले हुआ जिससे बड़ी जनहानि टल गई। इनायती गांव के सरकारी विद्यालय की छत गिरने की आवाज से विद्यालय परिसर के आसपास लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया।

विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। हैरानी की बात यह रही कि सूचना के बावजूद कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। विद्यालय भवन की खराब हालत को लेकर पहले भी कई बार विभाग को अवगत कराया जा चुका था, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही एसीबीईओ को मौके पर भेजा गया है। पीओ से फोन पर बातचीत कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई है। सभी स्कूलों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गिरा हुआ कमरा पहले से क्षतिग्रस्त था, इसलिए उसमें छात्रों को नहीं बैठाया जा रहा था।

सपोटरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इनायती की जर्जर छत शनिवार को विद्यालय खुलने से पूर्व भरभराकर गिर गई।

- **विद्यालय के प्राधानाचार्य संतराम मीणा ने हादसे की जानकारी तुरंत शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को दी**
- **स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराने मांग की**

गौरतलब है कि एक दिन पहले ही झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में स्कूल की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो चुकी है। इससे यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। स्थानीय अभिभावकों और ग्रामीणों ने मांग की है कि स्कूल भवन की तुरंत मरम्मत कराई जाए। जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराई न जाए। इधर इनायती गांव के विद्यालय की छत गिरने के बाद जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने शनिवार को करसाई, राजौर, अतैवा एवं कैलादेवी क्षेत्र के विभिन्न राजकीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसरों की स्थिति का जमीनी स्तर पर जायजा लेते हुए समस्त शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोपाललाल मीणा सहित समस्त शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के समस्त विद्यालय परिसरों की छतों की साफ-सफाई तत्काल प्रभाव से करवाई जाए।

180 कार्टन शराब पकड़ी, तीन गिरफ्तार

चावल के कट्टों के बीच छिपाकर हरियाणा से गुजरात भेजी जा रही थी अवैध शराब

बीकानेर, (निसं)। हरियाणा से राजस्थान होते हुए गुजरात भेजी जा रही अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप को बीकानेर रेंज पुलिस और नापासर थाने की संयुक्त टीम ने जब्त कर लिया। मुखबिर की सूचना पर भारतमाला सड़क मार्ग पर एक ट्रक को रुकवाकर जांच की गई, जिसमें चावल के करीब 900 से 1000 कट्टों के बीच छिपाकर रखी गई 180 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी। वहीं पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई आईजी ऑफिस बीकानेर के सब इंस्पेक्टर देवीलाल और नापासर थाने के एएसआई जगदीश कुमार के नेतृत्व में की गई। ट्रक चालक कुलविंदर सिंह जट सिख, सह चालक गुरभान सिंह जट सिख, सर्वजीत सिंह, (तीनों पंजाब निवासी) को मौके पर गिरफ्तार किया गया। जब्त शराब में विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब शामिल है, जिसे बड़ी चतुराई से चावल के कट्टों में छुपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने नापासर थाने में आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी काफी समय से इस तरह की तस्करी में संलिप्त थे और चावल के कट्टों की आड़ में शराब की आपूर्ति की जा रही थी।

बीकानेर रेंज पुलिस की स्पेशल टीम की यह कार्रवाई प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस विभाग ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने और अपराधियों की सूचना देने की अपील की है। देवीलाल सारण सब इंस्पेक्टर आईजी ऑफिस, लक्ष्मण सिंह नापासर थानाधिकारी, जगदीश कुमार एएसआई नापासर, आईजी ऑफिस से हेड कॉन्स्टेबल विमलेश कुमार, कांस्टेबल आत्माराम, कॉन्स्टेबल बाबूलाल, कॉन्स्टेबल आरिफ हुसैन, कॉन्स्टेबल सीताराम सभी रेंज ऑफिस बीकानेर की टीम शामिल रहे।

झालावाड़ स्कूल हादसा : शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट सामने आई

बीकानेर, (निसं)। झालावाड़ के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल पिपलोदी में छत गिरने के मामले में शिक्षा विभाग की तथ्यात्मक रिपोर्ट चौंकाने वाली है। विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं।

शिक्षा विभाग की ओर से बनाए गए कमरे पूरी तरह सुरक्षित है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल में कार्यरत किसी शिक्षक ने भवन के किसी हिस्से के गिरने की संभावना कभी व्यक्त नहीं की गई। उधर, प्रारम्भिक एवं माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट आज प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से जर्जर भवनों के बारे में रिपोर्ट मांग रहे हैं। मनोहर का थाना के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्कूल के संस्थान प्रधान ने जीर्ण-शीर्ण या मरम्मत के लिए स्थानीय कार्यालय को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा था। कार्यरत शिक्षकों ने भी कभी भवन की असुरक्षा स्थिति की संभावना व्यक्त नहीं की।

- **विभाग ने सारी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत पर डाल दी है, रिपोर्ट में कहा गया है कि जो कमरे ग्राम पंचायत ने बनाए थे, वो क्षतिग्रस्त हुए हैं**
- **रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था, ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है**
- **रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है**

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूल भवन का निर्माण साल 1994 में मनपसर ग्राम पंचायत ने करवाया था। ये ही हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि वर्ष 2011 में सर्व शिक्षा अभियान के तहत बना एक कमरा पूरी तरह सुरक्षित है। सवाल ये उठ रहा है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को हर महीने तय स्कूलों का निरीक्षण करना होता है। इसके लिए अधिकारियों को ऑनलाइन आदेश दिया जाता है। स्कूल का निरीक्षण होता है और उसकी रिपोर्ट निदेशालय तक आती है। इन अधिकारियों की रिपोर्ट में ये सब आया या नहीं पिछले सालों में क्या शिक्षा विभाग का कोई अधिकारी यहां निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। अगर गया है तो उसने जर्जर अवस्था की रिपोर्ट क्यों नहीं की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लगातार अतिवृष्टि के कारण स्कूल भवन की पिछली दीवार की नींव में पानी भराव होने के कारण कमजोर हो गई। रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया कि पानी पिछले कितने दिनों से भरा हुआ था और टीचर्स ने इसे क्यों नहीं देखा सुबह 7.40 बजे राउप्रावि पिपलोदी में प्रार्थना सभा के लिए कक्षा छह व सात के स्टूडेंट्स को इसी कक्ष में एकत्र किया गया। इसी दौरान छत गिर गई। घटना के बाद भी शिक्षा विभाग पूरी तरह हरकत में रहा। प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेसिंग पर बात की। जर्जर स्कूलों के बारे में रिपोर्ट लेने के साथ ही मरम्मत करने के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं।

स्कूल हेड मास्टर को प्रस्ताव बनाकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को देना होता है। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी इसे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को भेजता है। जहां से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जो समग्र शिक्षा अभियान को ये प्रस्ताव भेजे जाते हैं। जहां पर नियुक्ति जेईएन अपने जिले के स्कूल का निरीक्षण करता है। मरम्मत की जरूरत होती है तो मरम्मत की जाती है, अन्यथा उसे ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाती है।

क्षेत्र के विधायक और सांसद अपने कोटे से राशि स्वीकृत कर सकते हैं। ये राशि जिला पारिषद के माध्यम से खर्च होती है। जिला पारिषद चाहे तो सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से या फिर किसी अन्य सरकारी एजेंसी से निर्माण या मरम्मत करवा सकती है। मुख्यमंत्री के विशेष कोटे से भी सरकारी स्कूलों में निर्माण और मरम्मत कार्य होते रहे हैं। इसके लिए संबंधित विधायक प्रयास करके बजट स्वीकृत करा सकता है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदेश के किसी भी स्कूल में मरम्मत और निर्माण कार्य होता है। इसके लिए विभाग में जेईएन, एईएन, एक्सईएन की पोस्ट है। इसके बाद भी कोई इंजीनियर अपने स्तर पर स्कूलों का निरीक्षण करके मरम्मत की स्थिति को नहीं देखता है। प्रस्ताव आने पर ही आगे काम किया जाता है।

सड़क हादसे में नर्सिंग छात्र की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के बड़गांव थाना क्षैत्र में ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई तथा उसका चचेरा भाई घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय बडगांव थाना क्षैत्र बरोडिया नाका होटल भव्या के समीप ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार मेघवालों का मोहल्ला टेकण कूण थाना लसाड़िया सलूम्बर निवासी महेश कुमार (25) पुत्र सवाईलाल मेघवाल तथा उसका चचेरा भाई बाइक चालक नारायण पुत्र देवीलाल मेघवाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां महेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर हेडकांस्टेबल उम्मेदसिंह झाला ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

- **हादसे में चचेरा भाई घायल हो गया**

महेश भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक कॉलेज से नर्सिंग कोर्स कर रहा था। वह अपने चचेरे भाई नारायण के साथ बाइक पर बैठ कर गोगुन्दा से उदयपुर की तरफ आ रहा था, जहां बीच रास्ते में हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

नर्सिंग केयर सेंटर से नशीली व प्रतिबंधित दवाईयां जब्त

नर्सिंग केयर सेंटर पर केन्द्रीय नारोक्टीक्स ब्यूरो ने छापा मारकर नशीली दवाईयां पकड़ी।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ एवं नशीली दवाओं के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत् सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की टीम ने मालपुरा बस स्टैंड, जिला टोंक स्थित एक नर्सिंग केयर सेंटर पर छापामार कार्रवाई करते हुए टीम ने तस्करी की गई प्रतिबंधित ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 गोलियाँ और प्रतिबंधित अल्प्राजोलम 5010 गोलियाँ बरामद की तथा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली थी कि मालपुरा बस स्टैंड पर एक नर्सिंग केयर सेंटर चलाने वाले व्यक्ति द्वारा अपने नर्सिंग केयर सेंटर से अवैध रूप से नशीली दवाओं का स्टॉक रखकर और आपूर्ति की जा रही है। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त नर्सिंग केयर सेंटर पर छापा मारा गया, टीम ने तलाशी के दौरान अवैध रूप से स्टॉक की गई नशीली दवाएं ट्रामाडोल 11520 कैप्सूल, ट्रामाडोल 270 टैबलेट और अल्प्राजोलम 5010 टैबलेट बरामद की। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद प्रतिबंधित नशीली दवाओं को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

गंभीर नदी में नहाने गया युवक डूबा, नहीं लगा सुराग

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के उच्चैन थाना इलाके में गंभीर नदी में नहाने गया एक 22 साल का युवक डूब गया। पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया है।

- **पांच घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी युवक का कुछ पता नहीं लग पाया**
- **युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देखा, शोर मचाया तो मौके पर लोग इकट्ठे हुए**

युवक को एक स्टूडेंट ने डूबते हुए देख लिया था, जिसके बाद उसने शोर मचाया तो, मौके पर लोग इकट्ठे हो गये। उन्होंने युवक के परिजनों को घटना की सूचना दी। उच्चैन पुलिस ने बताया कि सेवला हेड से केवलादेव नेशनल पार्क के लिए गंभीर नदी के रास्ते से पानी छोड़ा जा रहा है। मंगल सिंह (22) निवासी बरकोली गंभीर नदी में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह अचानक गंभीर नदी में डूबने लगा। जब मंगल सिंह डूब रहा था तो, उसने खुद को बचाने के लिए आवाज लगाई। इस दौरान वहां से एक स्टूडेंट स्कूल जा रहा था। स्टूडेंट ने मंगल सिंह को डूबते हुए देखा तो उसने भी शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए।

तब तक मंगल पानी में डूब चुका था। लोगों ने बरकोली गांव में जाकर घटना के बारे में बताया, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर मंगल को सर्च करवाया। सर्च ऑपरेशन के बाद भी मंगल सिंह का कुछ पता नहीं लगा।

बचाव दल ने रेस्क्यू अभियान शुरु किया।

बीसलपुर बांध में डूबे युवक का शव मिला

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध में डूबे राजू जाट निवासी गांव जेठानी का शव शनिवार को एसडीआरएफ ने निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानकारी के अनुसार युवक गुरुवार शाम को अपने दोस्तों के साथ बांध पर आया था और नहाते समय डूब गया था। स्थानीय प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम ने गुरुवार शाम और शुक्रवार को पूरे दिन युवक की तलाश की, अंधेरा होने के कारण सर्च अभियान रोकना पड़ा था, शनिवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गई और शव मिल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक का शव घटनास्थल से लगभग 100 मीटर दूर मिर्ची की झाड़ियों में फंसा हुआ था। तीन दिन में शव फूलकर ऊपर आ गया, जिसे एसडीआरएफ टीम ने बाहर निकाला और देवली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

जानलेवा हमले के आरोपी तक सर्वेयर बनकर पहुंची पुलिस, आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी तक पहुंचने के लिये मुखबीर की सूचना पर पुलिस टीम ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई और टीम ने फरार 10 हजार के इनामी आरोपी समीर को बनेठा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 19 मार्च 2024 को फरियादी शौकत अली ने न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कैथून पुलिस को पर्चा बयान दिया था। फरियादी ने कहा था कि उसके पास उसके बेटे का फोन आया कि मस्जिद के पास कुछ लोगों ने उसको घेर रखा है और जब वह मौके पर पहुंचा तो शहजाद, उसके लड़के समीर, सलमान एवं शोयेब आदि ने मारपीट की व चाकू गण्डासी से जानलेवा हमला कर दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर दबिश दी गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने कार्रवाई करते हुए पूर्व में आरोपी सलमान, शोयेब, अयान एवं साबिर को गिरफ्तार कर लिया था पर आरोपी समीर वारदात के बाद से ही परिवार सहित फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर टीम ने जगह-जगह दबिश दी, पर आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरार आरोपी पर 10 हजार के ईनाम की घोषणा की गई एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के सुपरविजन में पुलिस अधीक्षक राजेश ढाका के नेतृत्व में कैथून थानाधिकारी संदीप शर्मा व साईबर सेल के सहायक उपनिरीक्षक भुपेन्द्र सिंह को शामिल कर टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम के सदस्यों ने तकनीकी अनुसंधान व मुखबीर की सूचना तंत्र पर टोंक, जयपुर व सवाईमाधोपुर में संभावित स्थानों पर दबिश दी।

- **जानलेवा हमले के मामले में पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था आरोपी**
- **आरोपी इतना शातिर था कि वह पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही फरार हो जाता था**

ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम को मुखबीर से फरार आरोपी समीर के बारे में टोंक शहर एवं थाना बनेठा क्षेत्र के ग्राम सूथरा में फरारी काटने की सूचना प्राप्त हुई जिस पर टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने के लिये टीम के सदस्यों ने मलेरिया, डेंगू सर्वेयर बनकर आरोपी के संबध में जानकारी जुटाई एवं बाद में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए फरार आरोपी लाड़पुरा निवासी समीर (23) को बनेठा थाना क्षेत्र से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया।

अजमेर शहर में ढाई इंच बारिश हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में करीब 60 मीमी (ढाई इंच) वर्षा दर्ज हुई। बारिश शुरू होते ही नगर निगम अजमेर की तकनीकी शाखा एवं स्वास्थ्य शाखा के अधिकारी सहित कर्मचारियों द्वारा शहर का दौरा किया गया।

स्वास्थ्य अधिकारी पृथ्वीराज सिंह ने बताया कि नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर शनिवार को बारिश के बाद अधिकारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और वर्तमान में वरूणसागर झोल पर जल की निकासी बांडी नदी की ओर जारी है एवं आनासागर झील का जल स्तर 11 फीट 9 इंच है। बांडी नदी अपने उच्चतम जल स्तर से 2.5 फिट नीचे चल रही है, क्योंकि आनासागर से वर्षा जल निकासी की जा रही है। वहीं सभी निचली बस्तियां जिसमें वर्षा जल भराव की स्थिति उत्पन्न हुई, वहां जल निकासी के लिए नगर निगम द्वारा मडपम्प लगावाए गए है। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने बजरंगगढ चौराहा, सागर विहार क्षेत्र, बांडी नदी के आस-पास क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया एवं सामान्य स्थति बनाये रखने के निर्देश दिये।

इसके अतिरिक्त मलूसर बावडी में मंदिर की जर्जर अवस्था की छत लटकने की सूचन प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर जर्जर भवन व मंदिर में से सभी किमती सामान निकलवाते हुए जर्जर हिस्से को तोड़कर मलबा इत्यादि हटवाया गया। चौरसियावास तालाब पर चल रही चादर पर आमजन की सुरक्षा हेतु दमकल को तैनात किया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने साढ़े तीन लाख के जेवर सहित नगदी लूटी

चोरों ने मकान में लड़की के जागने पर सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी दी

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। गांव सिंघाडा में रात्रि को अज्ञात चोर एक मकान में चोरी के लिए घुस गए। जब लड़की जागी तो बदमाश उसके सिर पर हथियार लगाकर जान से मारने की धमकी देकर घर में रखे सोने-चांदी के जेवर व तीन हजार रुपए की नकदी लूटकर ले गए। जेवर की कीमत साढे तीन लाख रुपए बताई गई है। घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक नीरज भारद्वाज व थाना प्रभारी बालकृष्ण मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य लिए हैं।

- **घटना की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक व थाना प्रभारी मय जाब्ता के मौके पर पहुंचे**

रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण फौजदार ने बताया कि गांव सिंघाडा निवासी भूरीसिंह पुत्र भोलाराम जाटव ने मामला दर्ज कराते हुए बताया कि उसका मेडिकल वाली गली के पास मकान है। रात्रि को उसके दो बच्चे सो रहे थे। रात्रि करीब 1 बजे 6-7 हथियारबंद बदमाश घर में अंदर घुस गए। जब उसकी लड़की की आंखें खुली तो दो बदमाशों ने लड़की के सिर पर देशी कट्टा रख दिया और जान से मारने की धमकी दी। दो-तीन बदमाश चोरी करने लग गए। बदमाशों ने अलमारी के लॉकर की चाबी मांगी। जब लड़की ने चाबी नहीं होना बताया तो बदमाशों ने अलमारी व बक्सा के लॉक को तोड़ दिया। बदमाश अलमारी में रखे सोने की नथ, टीका, पेन्डल व चांदी की कोधनी, पायजेब, साट, तोडिया, नाक की लौंग और 4 अंगूठी, 2 माला, 6 जोड़ी चुटकी और तीन हजार रुपए निकाल लिए। चोरी हुए जेवरात की कीमत साढे तीन लाख है। रुदावल थाना प्रभारी बालकृष्ण ने बताया कि घटनास्थल का मौका मुआयना कर एफएसएल ने साक्ष्य ले लिए हैं। घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम गठित की गई है।

करंट से अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित बापू नगर के शिव मंदिर पार्क में पार्क की देखरेख करने वाले बाबूलाल मीणा (41) पिता राम नारायण मीणा जहाजपुर निवासी जो हाल में बीलिया क्षेत्र में रह रहा था जिसकी पार्क में घास काटते समय करंट लग गया। जिसे तुरंत महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय में स्थित मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया। वहीं परिजन व समाज के लोगों द्वारा शनिवार को उचित मुवावजे की मांग व एक संविदा नौकरी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। काफी समय तक चले प्रदर्शन के बाद प्रताप नगर थाना एसएचओ व भीमगंज थाना प्रभारी द्वारा समझाइश के प्रयास के बाद उचित मुआवजा मिलने पर प्रदर्शन समाप्त किया गया।

हीरापुरा पावर हाउस पर जबरन बस शिफ्टिंग के विरोध में प्रदेशव्यापी चक्का जाम

बस ऑपरेटर्स का आरोप - हीरापुरा में न तो पार्किंग, न वेटिंग एरिया और न ही पर्याप्त यात्री सुविधाएँ

- हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया
- परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हीरापुरा बस स्टैंड से बस संचालन शुरू होने से पहले ही इसका विरोध शुरु हो गया और आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर की शनिवार को हड़ताल करने की घोषणा के बाद इन बसों का प्रदेशव्यापी चक्का जाम हो गया।

आल राजस्थान कांट्रेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हीरापुरा पावर हाउस (कमला नेहरू नगर) पर प्राइवेट बसों के जबरन स्थानांतरण के विरोध में राजस्थान स्तर पर चक्का जाम किया गया हैं। शर्मा ने बताया कि हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया गया।

उन्होंने बताया कि आरटीओ प्रशासन की ओर से एक अगस्त से सिंधी कैंप बस स्टैंड से अजमेर रूट की सभी प्राइवेट और रोडवेज बसों को हीरापुरा शिफ्ट करने के आदेश के विरोध में एक हजार से ज्यादा स्लीपर और प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे हीरापुरा से बसें नहीं चलाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन हीरापुरा से नहीं करने पर परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि करीब एक हजार बसों का चालान किया गया हैं जो न्यायसंगत नहीं हैं। उन्होंने बताया कि एक अगस्त तक का भी इंतजार नहीं किया गया और इससे पहले ही निजी बसों का संचालन हीरापुरा से शुरु करने का दबाव बनाने के लिए परिवहन विभाग ने इन बसों पर चालान काटने के रुप में दमनकारी नीति अपनाकर हड़ताल पर जाने को मजबूर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि जब तक उनकी मांग पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया जाता है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल के तहत जयपुर से संचालित आने जाने वाली एक हजार बसों का संचालन बंद कर दिया गया हैं। आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के महामंत्री प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि सिंधी कैंप से हीरापुरा की दूरी ज़्यादा होने से यात्रियों को काफी असुविधा होगी। इसके अलावा हीरापुरा में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर, वेटिंग एरिया, पार्किंग और यात्रियों के बैठने तक की सुविधा नहीं है वहीं रात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी नहीं है। साथ ही ओला-उबर वाले एक हजार तक वसूली करेंगे। इतना तो बस किराया नहीं होता। वहीं किसी महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ और अनहोनी हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

बस ऑपरेटर्स का कहना है कि परिवहन विभाग की यह कार्यवाही एकतरफा और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही है। इस निर्णय में व्यवहारिकता और संवाद की पूरी तरह अनदेखी की गई है। निजी बसों की हड़ताल से आम यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा रविवार को होने वाली लाइब्रेरियन परीक्षा के 80 हजार अभ्यर्थियों के सामने संकट खड़ा हो गया है वहीं रोडवेज की मात्र 3050 बसें पूरे प्रदेश में चल रही हैं जो यात्री भार उठाने के लिए नाकाफी है।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न अवार्ड' मिला

- राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में प्रभावशाली योगदान और सक्रिय भूमिका के लिए सांसद मदन राठौड़ को दिया गया संसद रत्न अवार्ड

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू (बीच में) ने मदन राठौड़ (बांये) को सम्मानित किया ।

जयपुर। देश की संसदीय प्रणाली को सशक्त बनाने में विशिष्ट योगदान देने वाले राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को इस वर्ष का "संसद रत्न अवार्ड" प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें संसद में उनके उत्कृष्ट कार्य, जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और विधायी योगदान के लिए दिया गया। "संसद रत्न अवार्ड" देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है।

यह पुरस्कार प्रतिष्ठित पार्लियामेंट्री रिसर्च संस्था प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया था। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के सत्रों में लगातार उपस्थिति, प्रभावशाली बहसों, प्रश्नों और जनहित याचिकाओं के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों को संसद में उठाया, जिससे आम जन की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच मिला।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। इसमें देश भर के वरिष्ठ सांसद, नीति निर्माता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद मदन राठौड़ ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की जनता की सेवा का परिणाम है। मैं सदैव जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करता रहूंगा। यह पुरस्कार मुझे और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

पूर्व सैनिकों तक पहुंचेगी निशुल्क विधिक सहायता

जयपुर। राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिजनों को निशुल्क व सुलभ विधिक सहायता मुहैया कराने के लिए वीर परिवार सहायता योजना-2025 की शुरुआत की गई है। योजना को लेकर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से से राज्य सैनिक बोर्ड, जयपुर में भी विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया गया।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया की योजना के तहत प्राधिकरण की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला सैनिक बोर्ड के परिसर में विशेष विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के निरंतर सहयोगी रहेंगे।

तीज के अवसर पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया

जयपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 27 व 28 जुलाई की शाम 6 बजे तीज माता की सवारी निकाली जायेगी। जिसके चलते 27 व 28 जुल को यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी।

तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात पुराना पुलिस मुख्यालय के पीछे व जलेब चौक में से होकर सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा। तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात आतिश मार्केट व सार्दुल सिंह की नाल की तरफ से किसी भी प्रकार के वाहन सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ जा सकेगें, तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात चीनी की बुर्ज की तरफ से किसी भी प्रकार का ट्रैफिक आतिश बाजार तथा सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा।

तीज माता की सवारी के दौरान रामनिवास बाग चौराहा, न्यूगेट चौराहा से चौडा रास्ता में जाने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी के दौरान बडी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को बडी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया से निकलने के बाद चौडा रास्ता से आने चाले सामान्य यातायात को त्रिपोलिया से बडी चौपड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट से बाहर आने से पूर्व छोटी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को छोटी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

संजय सर्किल, चौगान चौराहा से छोटी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी चौगान चौराहा पर आने से पूर्व बारह भाईयों का चौराहा, लंगर के बालाजी, ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

लाखों रुपए के गहने चुराये

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में एक ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर आया बदमाश नजर बचाकर लाखों रुपए कीमत के गहने चुरा ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में शातिर चोर की करतूत कैद मिली। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि एमआई रोड स्थित जेएसआर ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात हुई है। जहां शुक्रवार की दोपहर ज्वेलर का बेटा दुकान पर बैठा था। इस दौरान खरीदारी करने के बहाने एक व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान पर आया। सोने ज्वेलरी दिखाने के लिए कहा। बैग में रखी ज्वेलरी काउंटर पर रखकर दिखाई। ज्वेलरी दिखाने के दौरान बातों में उलझाकर शातिर बदमाश ने नजर बचाकर पैकेट में रखी ज्वेलरी चोरी कर ली। कुछ समय बाद पसंद नहीं आने की कहकर दुकान से चला गया। देर शाम ज्वेलरी काउंटिंग के दौरान सोने की 3 चीन, 4 मंगलसूत्र और 2 ईयर रिंग कम मिले।

जस्टिस शर्मा रालसा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है।

वे अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। विधि विभाग ने सीजे केआर श्रीराम से परामर्श के बाद जस्टिस शर्मा का मनोनयन किया है।

राजस्थान आवासन मण्डल निशुल्क बांटेगा 54 हज़ार पौधे

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में सतत रूप से कार्य किया जा रहा है । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में हरियाली तीज के उपलक्ष्य पर पूरे प्रदेश में वनमहोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा रविवार को विशेष पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया जाएगा । इस अवसर पर राजस्थान आवासन मण्डल भी राज्यभर में पौधरोपण और पौध वितरण का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को समर्पित इस अभियान के अंतर्गत मण्डल के 26 खण्ड कार्यालयों से कुल 54,600 पौधे निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जिससे आमजन को प्रकृति से जुड़ने का सशक्त अवसर मिलेगा।

इस विशेष अवसर पर जयपुर में भी पौध वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रविवार सुबह 8 बजे से सिटी पार्क, मानसरोवर में किया जाएगा। इस आयोजन में आमजन, स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे बांटना नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में स्थायी परिवर्तन लाना है। आवासन मण्डल सभी से यह अपील करता है कि वे अपने नजदीकी डिवीजनल कार्यालय से पौधा प्राप्त कर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई इस हरित पहल का हिस्सा बनें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करें।

सघन वृक्षारोपण एवं पौधों का निशुल्क वितरण किया

मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये।

जयपुर। मालवीय नगर विकास महासमिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने के लिए मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये गये तथा 200 से अधिक छोटे एवं बड़े पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। महासमिति के अध्यक्ष आर बी अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ते हुए प्रदेश ने 'हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के रूप में एक नयी हरित क्रांति का सूत्रपात किया है। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति के मुख्य संरक्षक महेन्द्र कुमार हल्दिया एवं हरीश गुप्ता तथा क्षेत्रीय पार्षद राम प्रसाद शर्मा ने कम से कम एक पौधा प्रत्येक नागरिक को लगाने का संदेश दिया और वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने जनहित के इस कार्य को सराहनीय बताया।

सामाजिक कार्यकर्त्ता बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न समितियों से पधारे हुए जन प्रतिनिधियों ने पोधे ले जाकर अपने अपने श्रेत्र में पौधारोपण कर इनकी देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेन्द्र कुमार गुप्ता, इन्द्र मोहन अग्रवाल, उमा गोतम, सुधीर गुप्ता, जुगल किशोर अग्रवाल ने स्लोगन, गाने एवं कविताओं के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को वर्षा, आक्सीजन एवं प्राणियों के जीवन के लिए उपयोगी बताया। महासमिति के महामंत्री सतीश चंद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नन्द किशोर स्वर्णकार, सचिव मुरारी लाल गुप्ता, अनिल सकसेना, एल एन कुमावत, गोतम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं पार्क में पौधारोपण के साथ पोधे वितरित भी किये।

इस अवसर पर देवेन्द्र खन्ना, मोहन लाल चावला, तेज करण पाराशर अरुण माथुर, आर सी कटारा, पी डी अरोड़ा, बाबू लाल गुप्ता, सुदर्शन सिंह शेखावत, रजनीश अग्रवाल, राजेश खंडेलवाल, सुरेन्द्र बिन्दल, युधिष्ठिर लाल शर्मा सतीश कुमार जैन, आर के व्यास एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को संरक्षण दिलाने की पहल

- केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र

जयपुर। राजस्थान की पारंपरिक छतरियों, बावड़ियों, देवलियों और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को राजस्व रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज कर कानूनी संरक्षण देने की मांग को लेकर सेव ऑवर हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से उठाए गए प्रस्ताव को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

फाउंडेशन की इस मांग को लेकर 21 जुलाई को संस्था के चेयरमैन अरिहंत सिंह चरड़ास ने मंत्री शेखावत को पत्र भेजा था। इससे पूर्व 22 जून को हुई एक ऑनलाइन बैठक में संगठन के संयोजक हुकम सिंह पड़ासला ने यह मुद्दा मंत्री के समक्ष रखा था, जिस पर मंत्री शेखावत ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया था।

फाउंडेशन ने अपने पत्र में बताया कि संवत 2012 (वर्ष 1955) के भूमि सेटलमेंट में राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थित अनेक धरोहरें-जैसे छतरियां, बावड़ियां, देवलियां आदि-सामान्य खातेदारी भूमि के अंतर्गत दर्ज हो गईं, जिससे उनके संरक्षण में व्यावधान उत्पन्न हो गया है। कानूनी दर्जे के अभाव में इन स्थलों पर अतिक्रमण, क्षरण और अवैध निर्माण की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इसी सन्दर्भ में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आग्रह किया है कि इन धरोहर स्थलों को संवत 2012 से पूर्व की स्थिति के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। पत्र में कहा गया है कि यह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

अरिहंत सिंह चरड़ास ने उम्मीद जताई है कि केंद्र व राज्य स्तर पर समन्वय बनाकर राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को राजस्व अभिलेखों में स्थान दिलाया जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इन विरासतों का गौरवशाली इतिहास देखने और समझने का अवसर मिल सके।

आयोग ने स्कूल की छत गिरने की घटना पर लिया संज्ञान

जयपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक झालावाड़ को शनिवार को नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने प्रेस तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में प्रकाशित समाचार, जिसमें राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल के भवन का एक हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मृत्यु होने एवं नौ बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने तथा कई बच्चों के मलबे में दबकर घायल होने से संबन्धित समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें कई बच्चे कथित रूप से अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हैं।

आयोग ने इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है और इस संबंध में नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

डोटासरा ने सांसदों एवं विधायकों से सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील की

जयपुर । राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा "यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है। आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो' उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

मोटर साईकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। अशोक थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी की मोटर साईकिलें बरामद की है। पुलिस न गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

- आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाईकिल बरामद

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 1 अप्रेल 2023 को परिवादी मुकेश चौधरी किरण बिहार,त्रिवेणी नगर निवासी ने मामला दर्ज कराया था कि उसने अपनी अपनी मोटरसाईकिल सुदर्शनपुरा ,22 गोदाम पर खड़ी थी। जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष टीम की मदद से तेलीपाडा, बापू बाजार निवासी शाहरुख उर्फ बकरी (26) पुत्र नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की है।

परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी के 7 ठिकानों पर एसीबी का छापा

2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से अधिक अर्जित की

- एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज किया

जयपुर/ जालोर। राजस्थान के सिरोही जिले में कार्यरत परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आज सुबह माउंट आबू, जोधपुर, भीनमाल और सिरोही के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो को एक गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप था कि परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी ने वाहन पंजीकरण, लाइसेंस जारी करने, गुजरात बॉर्डर पर अवैध वसूली और वाहन निरीक्षण जैसी सेवाओं के बदले नियमित रूप से रिश्वत लेकर, अपनी और अपने परिजनों के नाम पर अपार चल-अचल संपत्तियां अर्जित की हैं। इन संपत्तियों का मूल्य करोड़ों रुपये बताया गया।

एसीबी ब्यूरो की इंटेलिजेंस शाखा ने जब इस शिकायत की गोपनीय तरीके से जांच की, तो चौधरी द्वारा माउंट आबू, जोधपुर, सिरोही और भीनमाल में रिहायशी व व्यावसायिक भूखंड, मकान और कोठियों की जानकारी सामने आई। इसके बाद तथ्यों का दस्तावेजी संकलन हुआ और जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने लगभग 2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से कहीं अधिक अर्जित की है। इसके आधार पर एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज कर, जयपुर के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में, पाली-द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक टीमों के साथ आज सुबह एक साथ छापे मारे।

वहीं एसीबीको छापामारी की कार्यवाही से सुजाना राम के भीनमाल में आलीशान8000 वर्ग फीट में निर्मित शानदार कोठी, महंगे इंटीरियर के साथ 21 ब्रांडेड एसी, हाई-एंड फ्रिज, टीवी और लग्जरी फर्नीचर व संपत्ति का मूल्य कई करोड़ रुपये, तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन जारी।

वही जोधपुर में पॉश लोकेशन आशापूर्णा सिटी, पाल गांव जैसी प्रीमियम कॉलोनी में एक और आलीशान कोठी।एसीबी की टीमों द्वारा तलाशी अभियान अभी भी जारी है। जांच पूरी होने के बाद सुजानाराम चौधरी पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। साथ ही, उनके द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

रिटायर महिला व्याख्याता को बकाया भुगतान के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हनुमानगढ़ की पीजी कॉलेज से रिटायर महिला व्याख्याता को उसका जनवरी 2016 से जुलाई 2019 तक का बकाया वेतन और समस्त सेवानिवृत्त परिलाभ तीन माह में अदा करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश कृष्णा जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि एक बार जब राज्य सरकार ने कॉलेज का अधिग्रहण कर लिया तो उस संस्था के समस्त दायित्वों की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की ही मानी जाएगी। यदि राज्य सरकार यह मानती है कि कॉलेज का अधिग्रहण साल 2020 में हुआ था तब भी 70 फीसदी देनदारी राज्य सरकार की बनती है और वह शेष तीस फीसदी कॉलेज की प्रबंध समिति से वसूल सकती है।

याचिका में अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हनुमानगढ के अनुदानित कॉलेज में राजनीति विज्ञान के व्याख्याता के तौर पर साल 1983 में नियुक्त हुई थी। उस समय वह अनुदानित कॉलेज था और राज्य सरकार से 70 फीसदी अनुदान प्राप्त करता था। वहीं साल 2013 में कॉलेज को राज्य सरकार ने अधिगृहित कर लिया।

25 हजार का इनामी तस्कर सागर धाकड़ गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार किया।

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भीलवाड़ा पुलिस द्वारा 8 अगस्त 2024 को मांडल में जब्त किए गए भारी मात्रा में डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। सागर धाकड़ करीब एक साल से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। आखिरकार एजीटीएफ की विशेष टीम के हत्थे चढ़ गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि गत वर्ष 8 अगस्त को मांडल पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक क्रेटा कार से 81.400 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा जब्त किया था। इस कार्रवाई में मौके से गंगानगर निवासी सुखभाल सिंह और प्रकट सिंह नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की शुरुआती जाँच में यह बात सामने आई कि यह मादक पदार्थ एक बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है और इसमें सागर धाकड़ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। धाकड़ पर आरोप था कि वह नागौर जिले में कई स्थानीय तस्करों को बेंगू थाना क्षेत्र से डोडा चूरा की सप्लाई करता था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सागर धाकड़ बेहद शातिर अपराधी था। वह अपने पास कोई मोबाइल नहीं रखता था और घर के बजाय अधिकतर दूर खेतों में ही सोता था, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सके। एजीटीएफ की टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पिछले करीब दो महीने से सागर की तलाश में जुटी थी।

पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह को सटीक सूचना मिली कि सागर धाकड़ भीलवाड़ा के मांडलगढ़ इलाके में लाड़पुरा चौराहे के पास अपने किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

अवैध बजरी भरे चार ट्रैक्टर-ट्रॉली व दो ट्रेलर जब्त, वाहन चालक गिरफ्तार

पुलिस की अचानक हुई कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मचा

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र में भीलवाड़ा पुलिस की स्पेशल टीम ने शनिवार को प्रातः सड़क पर खुलेआम दौड़ रहे बजरी माफ़िया के बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे आधा दर्जन वाहनों को जब्त कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बजरी माफ़िया में हड़कम्प मच गया और सड़क पर अवैध बजरी भरे दौड़ रहे अन्य वाहन भूमिगत हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है।

मांडलगढ़ पुलिस ने जब्त किए बिना नम्बरी अवैध बजरी भरे वाहनों को थाने में खड़ा करवाया।

- जब्त आधा दर्जन वाहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर ड्राइवरों को गिरफ्तार किया

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मांडलगढ़ में डीएसटी प्रभारी कालूराम धायल ने एनएच 27 पर बीगोद और मांडलगढ़ में फर्जी रवन्ना से बजरी भरे दो ट्रेलर को जब्त किया है, वहीं लाडपुरा के पास अवैध बजरी भरे बिना नम्बरी चार ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

मांडलगढ़ थानाधिकारी शंकर सिंह ने बताया कि जब्त एक ट्रेलर और चार ट्रैक्टर-ट्रॉली के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। वहीं बीगोद में सड़क पर जा रहे बजरी भरे ट्रेलर को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ट्रेलर को लोडियान गाँव की ओर भगा ले गया। आगे रेलवे की पुलिया आने से और पुलिस टीम के पीछा करने ट्रेलर पकड़ में आ गया। बीगोद थाना पुलिस ने ट्रेलर को फर्जी रवन्ना से अवैध बजरी परिवहन करने के मामले में प्रकरण दर्ज कर चालक को गिरफ्तार किया है।

खनिज विभाग द्वारा अवैध बजरी परिवहन के मामले में मांडलगढ़ ओर बीगोद में पकड़े गए दोनों ट्रेलर की जाँच की तो रवन्ना फर्जी पाया गया हैं। दोनों ट्रेलर रामनगर (बीगोद) के बताए जा रहे है। और लम्बे समय से बनास नदी से अवैध खनन की बजरी परिवहन कर रहे थे। जानकारी में आया कि पूर्व में भी खनिज विभाग और पुलिस ने दोनों ट्रेलर के खिलाफ कार्रवाई की थी। लेकिन इस बार पुलिस में प्रकरण दर्ज होने से जुर्माना राशि निर्धारित से अधिकगुणा वसूली की कार्रवाई की जा सकती हैं। इस मामले में खनिज विभाग के साथ परिवहन विभाग को भी कार्रवाई के लिए सूचित किया गया हैं। ट्रेलर में बजरी ओवरलोड हैं या नहीं इसकी जांच परिवहन विभाग करेगा। वहीं जिस स्टॉक पर अवैध बजरी परिवहन कर खाली की जा रही थी, स्टॉक मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत आठ जने गिरफ्तार

विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई की।

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना टीम ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 6 गिरफ्तारी वारंटी, 1 अभियुक्त को आर्म्स एक्ट व 2 अभियुक्तों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र कुमार विश्नोई ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपर विजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीमो द्वारा कार्रवाई करते हुए वांछित 6 गिरफ्तारी वारंटी राधेश्याम पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, महावीर पुत्र परसाराम निवासी बड़ा कांकराणा विराटनगर, कुबेरराज उर्फ गिरधारी पुत्र हनुमान सहाय निवासी पौधेश्वर मंदिर के पास मैड विराटनगर, ओमप्रकाश पुत्र कैलाश निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, प्रभुदयाल पुत्र मूलचंद निवासी सर की ढाणी मैड विराटनगर, उमराव पुत्र प्रभाती निवासी वार्ड नं. 2 सेवरा की ढाणी विराटनगर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं ग्राम कुकडेला अभियुक्त इंद्राज पुत्र नारायण निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से बिना लाइसेंस के अवैध हथियार एक तलवार जप्त कर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। वहीं नवरंगपुरा तन बिलवाडी में सार्वजनिक स्थान आत्मादास मंदिर के पास एक चबूतरे पर ताशपत्ती पर रुपए दाव पर लगाकर जुआ खेलते पाए जाने पर मंगलराम पुत्र भैरूराम निवासी भामोद विराटनगर, कैलाश पुत्र हरसहाय निवासी कुकडेला विराटनगर के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर मामला दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

अजमेर : कारगिल विजय दिवस के मौके पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा बजरंगगढ़ स्थित विजय स्मारक पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि सेवानिवृत्त कमौडोर अंशुमान दत्त, सेवानिवृत्त कैप्टन अशोक तिवारी, सेवानिवृत्त कमांडर जे.एस. राजावत एवं जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने शहीदों को नमन करते हुए पुष्पचक्र और श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आलोक कुमार साह ने बताया कि भारतीय सेना ने विषम और विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए कारगिल युद्ध में अदम्य साहस और देश प्रेम का परिचय दिया था। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद अजमेर के सदस्यों एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय व रैक्सकों के स्टाफ ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई एवं स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लावारिस हालत में जिंदा नवजात शिशु मिला

बोरावड़, (निसं)। बोरावड़ कस्बे में शनिवार को सुबह लावारिस हालत में एक जिंदा नवजात शिशु मिला, जो स्वस्थ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने अजमेर रैफर किया है। जानकारी के अनुसार शहर के गणेश डूंगरी क्षेत्र में सुबह-सुबह लोग टहल रहे थे। इस दौरान एक नवजात शिशु के रोने की आवाज लोगों को सुनाई दी, जिस पर लोगों ने पास जाकर देखा तो कपड़े व पॉलीथिन में लिपटा हुआ एक नवजात शिशु था, जिसके ऊपर एक बड़ा सा पत्थर डालकर कोई उसे छोड़कर चला गया। मौके पर काफी लोग इकट्ठा हो गए और उन्होंने मकराना पुलिस व बोरावड़ के राजकीय चिकित्सालय प्रभारी डॉ. सुनील कुमार विश्नोई को सूचना दी, जिस पर डॉक्टर सुनील कुमार विश्नोई व पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लिया और चिकित्सालय ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। डॉ. विश्नोई ने बताया कि नवजात एकदम स्वस्थ है, जिसे उपचार हेतु अजमेर रेफर किया गया है।

डेंटल कॉलेज के छात्रों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया

छात्रा को सुसाइड के लिये प्रेरित करने के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर में प्राइवेट डेंटल कॉलेज की बीडीएस फाइनल ईयर की छात्रा के सुसाइड करने के मामले में शनिवार को दूसरे दिन भी स्टूडेंट्स ने कलेक्ट्रेट के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

- स्टूडेंट्स ने दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की

मामले के अनुसार भीलों का बेदला स्थित पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में संचालित डेंटल कॉलेज की छात्रा श्वेता सिंह (25) ने गुरुवार रात सुसाइड कर लिया था। वह जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। उनके पिता, चचेरे भाई, मामा उदयपुर शव लेने पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। पुलिस इसमें सख्त कार्रवाई करें और हमें एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराए। इधर कलेक्ट्रेट के बाहर पहुंचे स्टूडेंटस ने नारेबाजी करते हुए श्वेता सिंह को न्याय दिलाने की मांग की। मीडिया से बातचीत करते हुए श्ववेता के चचेरे भाई शशिकांत ने गंभीर आरोप लगाए है। उसमें भगवत और नैनी पर कई आरोप लगाए और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की बात लिखी गई है। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस को लिखित में शिकायत दी है दोनों को गिरफ्तार की जाए, एफआईआर की कॉपी हमें दी जाए।

मामले को लेकर मृतक श्वेता सिंह के पिता बलवंत सिंह ने सुखेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें बीएनएस की धारा 108 के तहत सुसाइड के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। इसमें विशेष रूप से कॉलेज एडमिन स्टाफ भगवत उर्फ भगवान सिंह और माही उर्फ नैनी जैन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दी गई है। पिता ने रिपोर्ट में बताया कि बेटी ने सुसाइड नोट में इन दोनों द्वारा बार-बार टॉर्चर करने का आरोप लगाया है। उसकी मौत के लिए कॉलेज स्टाफ जिम्मेदार है। इधर मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतका का पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर परिजन अपने गावं रवाना हो गये।

गंभीर नदी हादसा : पिता-पुत्र के शव मिले

हिंडौन सिटी, (निसं)। गंभीर नदी में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। बुधवार को भैंस खरीदने निकले पिता-पुत्र नदी में बह गए थे। करीब 39 घंटे की रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार सुबह पिता राजुद्दीन का शव बरामद कर लिया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बेटे सोहेल (20) का शव मिल गया था। मृतक राजुद्दीन चौबे पाड़ा के तेली का नला मोहल्ले का निवासी था और सोहेल उसका इकलौता पुत्र था। जानकारी के अनुसार, दोनों बुधवार दोपहर करीब 3:20 बजे घर से भैंस खरीदने के लिए बाइक से निकले थे। लगभग 4 बजे जब वे कटकड़ की गंभीर नदी की पुलिया पार कर रहे थे, उसी दौरान पांचना बांध के दो गेट खोल दिए जाने से नदी में तेज बहाव आ गया। पुलिया पर पानी का स्तर बढ़ने से बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों नदी में बह गए।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए बुलाया गया।

चाचा ने नाबालिग भतीजी से छेड़छाड़ की

नोखा, (निसं)। जिले के नोखा थाना में एक नाबालिग भतीजी ने अपने चाचा पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता की मां जब असम गई थी, तब लड़की अपनी दादी के साथ नोखा में रह रही थी।

- दादी के पास रह रही थी, मां के लौटने पर बताई घटना

घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की मां वापस लौटी। उन्होंने अपनी बेटी को डरा-सहमा देखा। शुरू में लड़की ने कुछ नहीं बताया, लेकिन मां के बार-बार पूछने पर उसने पूरी घटना बताई। पीड़िता ने बताया कि जब वह घर पर अकेली थी, तब उसका चाचा घर आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब लड़की ने विरोध किया और शोर मचाया, तो आरोपी ने उसे और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने यह बात किसी को नहीं बताई। पीड़िता का आरोप है कि उसका चाचा पहले से ही उस पर गलत नजर रखता था। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की मां उसे लेकर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सब इंस्पेक्टर राधेश्याम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रावलिया कलां-बरवाड़ा मार्ग पर 24 घंटे में सड़क सम्पर्क बहाल हुआ

उदयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को राहत प्रदान करने की दृष्टि से प्रदेश का प्रशासनिक अमला पूरी संवेदनशीलता के साथ मुस्तैदी से जुटा है। गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूटने पर 24 घंटे के भीतर सड़क सम्पर्क बहाल कर प्रशासन ने इसकी बानगी पेश की। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

- गोगुंदा के अवानी गांव के पास पुलिया टूट गई थी

गोगुंदा पंचायत समिति के रावलिया कलां से बरवाड़ा जाने वाले मुख्य मार्ग पर अवानी गांव के समीप शुक्रवार को पुलिया भरभराकर गिर गयी थी, जिससे आसपास के कई गांवों का आपसी सम्पर्क टूट गया। सूचना पर जिला कलक्टर नमित मेहता मौके पर पहुंचे और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तुरंत सम्पर्क बहाली के निर्देश दिए। शनिवार प्रातःकाल विभाग की टीम एक एल एंड टी, दो जेसीबी, दो डम्पर के साथ मौके पर पहुंची। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखंड अधिकारी शुभम भाईसारे ने मोर्चा सम्भाला। उनके साथ तहसीलदार, बीडीओ, पटवारी, पीडब्लूयूडी अधिशाषी अभियंता अनिल खींची, जेइएन भावेश सहित पूरी टीम थी। ग्रामीणों ने साथ दिया और सड़क मार्ग से गांवों की सम्पर्क बहाली में अपना योगदान दिया और देखते ही देखते समस्या का समाधान हो गया। विभाग के अभियंताओं ने ग्रामीणों के सहयोग से एक स्थान का चयन किया। यहां पर पानी की निकासी के लिए दो पंक्तियों में छह सीमेंट पाइप बिछाकर नई पुलिया बनाई गई। पाइप पर मिट्टी का भराव भरकर पुलिया को मजबूती प्रदान की गई। सांयकाल 5 बजने तक नई पुलिया तैयार कर डाउन स्ट्रीम में 150 मीटर का नया ट्रेक बनाकर वैकल्पिक मार्ग को आवागमन के लिए खोल दिया गया। पुलिया पर यातायात प्रारम्भ करने से पूर्व डम्पर एवं अन्य वाहनों को से ट्रायल लिया गया जिसके सफल होने पर आमजन के लिए यह रास्ता खोल दिया गया। पुराने टूटे पुलिया दो दोनों छोर पर अवरोधक लगाये गये हैं ताकि कोई दुर्घटना ना हो। पुरानी पुलिया के पुनर्निर्माण तक वैकल्पिक मार्ग से यातायात बहाल होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रावलिया कलां सरपंच हीरालाल और पूर्व सरपंच देवी सिंह ने प्रशासन की तत्परता एवं पीडब्लूयूडी टीम की कर्मठता की प्रशंसा की।

दो भाइयों को पिकअप ने कुचला, एक की मौत

दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे

कोटा, (नि.स.)। कोटा के गुमानपुरा थाना इलाके में डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों को लोडिंग वाहन पिकअप ने कुचल दिया। इस हादसे में एक भाई की मौत हो गई व दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया।

- मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया

मामले में सामने आया कि दोनों भाई मजदूरी करते थे और डिवाइडर पर सो जाते थे। गुमानपुरा थाना अधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि छावनी चौराहे पर डिवाइडर पर सो रहे दो भाइयों पर लोडिंग पिकअप चढ़ गई, हादसे में कुन्हाड़ी निवासी वजीर की मौके पर मौत हो गई और हादसे में उसका बड़ा भाई अकबर गंभीर घायल हो गया, जिनको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना अधिकारी ने बताया कि मौके से पिकअप चालक को डिटेन कर लिया गया है मामले की जांच दुर्घटना थाना कर रहा है।

40 साल पुराने स्कूल के जर्जर भवन में चल रहा है आंगनबाड़ी केंद्र

रानीवाड़ा, (निसं)। झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरने से सात मासूमों की दर्दनाक मौत के बाद जहां पूरा प्रदेश सदमे में है, वहीं शिक्षा विभाग की कागजी सतर्कता की पोल खुलती नजर आ रही है। रानीवाड़ा क्षेत्र में रतनपुर के सरकारी गर्ल्स स्कूल का भयावह सच सामने आया है। यहां 1985 में बना एक 40 साल पुराना जर्जर भवन, जिसके दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं, उसमें आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है। यहां सीधे तौर पर मासूमों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

- सरकारी गर्ल्स स्कूल के जर्जर भवन के दो कमरे पूरी तरह से खंडहर हो चुके हैं
- इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है

जानकारी के अनुसार रतनपुर के इस गर्ल्स स्कूल के जर्जर कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, इन्हीं खतरनाक कमरों में बच्चों के लिए भोजन भी पकाया जा रहा है और आंशिक रूप से वहीं वितरित भी किया जा रहा है।

रतनपुर गर्ल्स स्कूल की प्रधानाचार्या गीता बहन ने बताया कि स्कूल में 120 बच्चियां पढ़ रही हैं। हालांकि, मुख्य स्कूल भवन का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, लेकिन आंगनबाड़ी केंद्र इसी जर्जर ढांचे में चल रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी इस भयावह स्थिति से अवगत हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यह भवन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है और इसे तुरंत धराशायी कर नया भवन बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चों, अभिभावकों और ग्रामीणों को खतरे से मुक्त किया जा सके। यह चौंकाने वाली जानकारी रतनपुर के सजग कार्यकर्ता और समाजसेवी गणपत सिंह देवड़ा ने वीडियोग्राफी सहित उपलब्ध कराई है। उन्होंने पूरी जिम्मेदारी के साथ बताया है कि इस खतरनाक भवन की शिकायत उच्च अधिकारियों को कई बार की जा चुकी है, लेकिन नतीजा सिफर है।

खंडहर हो चुके कमरों में आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है।

कोटा के सरकारी स्कूल में प्लास्टर गिरा, आज होनी थी परीक्षा

कोटा, (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहर थाना के पीपलोदी गांव में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे घायल हो गए थे। इसके बाद अब शनिवार को कोटा के एक सरकारी स्कूल के कमरे का प्लास्टर गिर गया।

- शिक्षा विभाग के अधिकारी पहुंचे, परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगाई

हादसे के दौरान ये कमरा बंद था लेकिन रविवार को यहां पर परीक्षा होनी है। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी पहुंचे। एहतियातन रविवार को होने वाली परीक्षा में यहां बच्चों को बैठाने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी का कहना है कि नयापुरा बाग स्कूल में प्लास्टर गिरा है। रविवार को भर्ती परीक्षा आयोजित होनी है। ऐसे में उन चार कक्षा का उपयोग नहीं करने के लिए कहा है। दूसरी वैकल्पिक व्यवस्था देख रहे हैं। जिसके तहत टीन शेड के नीचे बच्चों की परीक्षा कराई जाना तय किया गया है। दूसरी तरफ मामले की जानकारी मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी केके शर्मा और सरस्वती शर्मा सहित कई लोग मौके पर पहुंचे हैं।

कोटा में राजकीय विद्यालय का प्लास्टर गिरने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे।

यह दो मंजिला भवन है जिसमें ऊपर के फ्लोर जर्जर होने के चलते वहां पर क्लासेस नहीं लगती हैं। चार कमरे बने हुए हैं जहां पर परीक्षा रविवार को होनी थी। इनमें से एक कमरे का प्लास्टर गिर गया। हालांकि कोई नहीं होने से हताहत नहीं हुआ है। 12वीं कक्षा की छात्रा दीपिका का कहना है कि नीचे की मंजिल पर चलने वाले कमरों में भी छत की कंक्रीट के साथ सरिया नजर आ रहे हैं। वहां भी प्लास्टर गिरता है। हमारे कमरे में भी कभी-कभी प्लास्टर गिर जाता है। बच्चों और बालिकाओं को एडजस्ट करके बैठने को कहा गया है।

स्कूल की प्रभारी सपना चतुर्वेदी का कहना है कि घटनाक्रम के संबंध में प्रिंसिपल ने उन्हें वीडियो भेजा था। जिसके बाद वो आई हैं। इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है।

मुझे लगा कि गिल पहले टेस्ट से लेकर इस टेस्ट तक बहुत अच्छा कर रहे है। मेरे हिसाब से कोई भी जन्म से ही कप्तान नहीं होता। वह शानदार कर रहे है। वह जो चाहते है, उसके प्रति आश्वस्त दिख रहे है। - पार्थिव पटेल

पूर्व भारतीय विकेटकीपर, शुभमन गिल की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी विराट कोहली

कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा है। कोहली ने इसी साल टेस्ट से संन्यास लिया था। एक वक्त था, जब कोहली तीनों प्रारूपों में राज करते थे, लेकिन पिछले पांच वर्षों में इस प्रारूप में उनके फॉर्म में गिरावट आई। वहीं, इन पांच वर्षों में रूट एक महान टेस्ट बल्लेबाज बनकर उभरे है। पिछले कुछ वर्षों में फैब फोर में शामिल चारों बल्लेबाजों ने दुनिया भर में अपने प्रदर्शन से खूब नाम कमाया। रूट, विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन की। पूर्व क्रिकेटरों के बीच इनमें से सर्वश्रेष्ठ चुनने की होड़ लगी होती है। कोहली को छोड़कर बाकी तीनों टेस्ट टीम का नियमित हिस्सा है।

क्या आप जानते हैं ?... इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा।

आज से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता का आगाज़

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान राईफल एसोसिएशन को आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि कल 27 से 23वीं राजस्थान स्टेट शॉटगन प्रतियोगिता प्रारम्भ हो रही है। स्कीट, ट्रैप एवं डबल ट्रैप की स्पर्धाओं में राज्य भर से लगभग 300 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राज्य के कई नामचिन महिला एवं पुरुष खिलाड़ी जैसे-दर्शना राठौड़, कार्तिकी सिंह शक्तावत, संयोगिता शेखावत, अली अमन ईलाही, अनुष्का सिंह भाटी, हर्षवर्धन सिंह काव्या, मानवीय सोनी, उद्धव सिंह एवं विनय प्रताप सिंह इत्यादि एवं साथ ही कई नये खिलाड़ी जिन्होंने इस वर्ष पहली बार शूटिंग खेल में शुरुआत की है, वे भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

सब जूनियर नेशनल तैराकी में राजस्थान के 7 खिलाड़ी

जयपुर, 26 जुलाई। बेंगलुरु में 4 और 5 अगस्त को होने वाली सब जूनियर नेशनल तैराकी चैंपियनशिप में राजस्थान का सात सदस्यीय दल हिस्सा लेगा। राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने शनिवार को यहां राजस्थान टीम की घोषणा की। व्यास ने बताया कि राजस्थान की सात सदस्यीय टीम में चार लड़के और चार लड़कियां शामिल है। राजस्थान के खिलाड़ी कुल 18 स्पर्धाओं में पदक के लिए मुकाबला करेंगे। उन्होंने बताया कि हर्ष दित्य सिंह राणावत और प्रतीक कुरिया पांच-पांच स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे, जबकि लड़कियों में अंशिका धाकड़ चार स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी। **राजस्थान टीम : बालक वर्ग :** हर्षदित्य सिंह राणावत (100 मी. बैकस्ट्रोक, 100, 200 और 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. एमआई), अमन सामोता (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), हृदय भोजवानी (100 मी. बटरफ्लाई), प्रतीक कुरिया (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. आईएम, 100 मी. बटरफ्लाई)। **बालिका वर्ग :** अंशिका धाकड़ (100, 200, 400 मी. फ्रीस्टाइल, 200 मी. इंडिविजुअल मेडले), आराध्या व्यास (100 मी. ब्रेस्टस्ट्रोक), अश्विका चौधरी (100 मी. बैकस्ट्रोक)।

पीजीटीआई के 2025 सीजन के दूसरे भाग का कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली, 26 जुलाई। 2025 सीजन के एक्शन से भरपूर और बेहद प्रतिस्पर्धी पहले भाग के बाद, प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) एक परिवर्तनकारी दूसरे भाग के लिए तैयार है, जिसमें महत्वपूर्ण नए सहयोगी की घोषणा की जाएगी और मौजूदा सहयोगों को और मजबूत किया जाएगा जो देश भर में इस खेल के विकास को तेज गति प्रदान करने का वादा करते है। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में एक अग्रणी शक्ति और एक विविध एवं एकीकृत ऊर्जा प्रमुख, इंडियन ऑयल, पीजीटीआई के सबसे लंबे समय तक चलने वाले आयोजन, इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स का संरक्षक रहा है, जो इस वर्ष के अंत में अपनी रजत जयंती मनाएगा। इंडियनऑयल इस वर्ष पीजीटीआई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए कई आयोजनों में अपना सहयोग बढ़ा रहा है। पीजीटीआई की इस बढ़त को नया टूर पार्टनर - अमूल, दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य और डेयरी ब्रांड है और अपने 36 लाख किसानों के साथ, अमूल दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था भी है। भारत में एक जाना-माना नाम होने के नाते, अमूल, पीजीटीआई के ब्रांड उपस्थिति को देश भर में बढ़ाने में टूर पार्टनर के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कोल इंडिया लिमिटेड, 1 करोड़ रुपये के पहले आयोजन, कोल इंडिया ओपन को अपना नाम देगा। अहमदाबाद के कैंसविले गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 5 से 8 अगस्त तक आयोजित होने वाला सीजन का दूसरा भाग है।

राहुल 87 और गिल 78 रन बनाकर नॉटआउट

गिल-राहुल के संघर्ष से भारत वापसी की राह पर, भारत 174/2, 137 रन पीछे

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। ओपनर केएल राहुल (नाबाद 87) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 78) की जबरदस्त पारियों तथा उनके बीच तीसरे विकेट के लिए 174 रन की साहसिक अविजित साझेदारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के चौथे दिन शनिवार को दो विकेट पर 174 रन बना लिए हैं। भारत अभी इंग्लैंड की पहली पारी की 311 रन की बढ़त से 137 रन पीछे है और भारत को मैच बचाने के लिए कल पूरा दिन सुरक्षित निकालना है।

क्या ही कहा जाए इन दो बल्लेबाजों के बारे में। 60 ओवर खेल गए हैं ये दोनों बल्लेबाजा। भारत ने दूसरे सेशन में 85 और तीसरे में 88 रन बनाए हैं, वह भी बिना कोई विकेट गंवाए। यह लाजवाब है 174 पर दो विकेट का स्कोर। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह भी है कि भारत अभी भी 137 रनों से पीछे है। बहुत ही तगड़ा फाइटबैक दिखाया है। देखना होगा कि अब कल तीन सेशन में क्या होता है।

लंच से पहले लगे दो झटकों से भारतीय टीम सहित प्रशंसक सकते में आ गए थे, लेकिन कप्तान गिल और केएल राहुल ने संयम से भरी बल्लेबाजी करते हुए अगले दो सत्र में भारत को कोई झटका नहीं लगने दिया है। दोनों बल्लेबाजों ने जुझारू प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगा दिए हैं और इस सीरीज में गिल ने जब भी अर्धशतक लगाया है उसको शतक में तब्दील किया है। राहुल ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए 210 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 87 रन बनाये है जबकि गिल ने 167 गेंदों में नाबाद 78 रन में दस चौके लगाए है। इससे पहले रवींद्र जडेजा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने लंच से पहले इंग्लैंड को 669 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि इंग्लैंड ने कप्तान बेन स्टोक्स (141) के शतकीय प्रहार की बदौलत 311 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली है। इंग्लैंड के कल के सात विकेट पर 544 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में जसप्रीत बुमराह ने लियाम डॉसन (26) को बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ब्रायडन कार्स ने कप्तान स्टोक्स का बखूबी साथ निभाया। इसी दौरान स्टोक्स ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया। बेन स्टोक्स ने 37 पारियों बाद टेस्ट में शतक लगाया है। वह एक टेस्ट में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले पांचवें कप्तान है। दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हुई।

स्टोक्स रवींद्र जडेजा की गेंद को स्वीप करने के प्रयास में लांग ऑन बाउंड्री पर साई सुदर्शन के हाथों लपके गये। स्टोक्स ने 198 गेंदों में 141 रनों की पारी खेली। इसके बाद जडेजा ने कार्स को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच आउट कराकर लंच से पहले इंग्लैंड की पहली पारी का 669 के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने चार विकेट लिये। वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को दो- दो विकेट मिले। अंशुल कम्बोज और मोहम्मद सिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इंग्लैंड ने तोड़ा मैनचेस्टर में 61 साल पुराना रिकॉर्ड

भारत के खिलाफ 11 साल बाद बने 600 रन

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। मैनचेस्टर टेस्ट के चौथे दिन इंग्लैंड की पहली पारी 669 रन पर समाप्त हुई। भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाए थे। इस तरह इंग्लिश टीम को 311 रन की बढ़त हासिल हुई। भारत के खिलाफ किसी टीम ने 2014 के बाद पहली बार टेस्ट की एक पारी में 600 से ज्यादा रन बनाए है। इससे पहले 2014 में वेलिंग्टन में न्यूजीलैंड ने ऐसा किया था। तब ब्रैंडन मैकुलम ने 302 रन की पारी खेली थी। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 2011 में एजबेस्टन में इंग्लिश टीम ने सात विकेट गंवाकर 710 रन बनाए थे और पारी घोषित की थी। तब एलिस्टेयर कुक ने 294 रन बनाए थे।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा : इंग्लैंड ने 669 रन बनाने के साथ ही कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। यह मैनचेस्टर में एक पारी में इंग्लैंड का सर्वोच्च स्कोर है। इसके लिए उन्होंने 91 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले उन्होंने 1934 में यहां 627 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में टेस्ट में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इस मामले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने 1964 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में आठ विकेट पर 656 रन बनाए थे। इस तरह इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया का 61 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारत के नाम अनचाहा रिकॉर्ड : टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सिर्फ सातवीं बार, किसी टीम ने पहले गेंदबाजी करते हुए 350 से ज्यादा रन देने के बाद पहली पारी में 300 से ज्यादा रन की बढ़त हासिल की है। यह इंग्लैंड के लिए पहली बार है। टेस्ट की पहली पारी में 350 से ज्यादा रन देने के बाद उनकी पिछली सबसे बड़ी बढ़त पिछले साल मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ 267 रन की थी (556 रनों के जवाब में 823/7 विकेट)। वहीं, बुमराह ने इस टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट लिए। उन्होंने ईशांत शर्मा की बराबरी कर ली और इंग्लैंड में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। दोनों के इंग्लिश सरजमीं पर 51-51 विकेट है।

बुमराह ने पहली बार 100 + रन खर्च किए : इस पारी में चार भारतीय गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन दिए। टेस्ट मैचों में भारत के लिए ऐसा 25वीं बार हुआ है। इससे पहले ऐसा एक दशक से भी ज्यादा समय पहले हुआ था। 2014/15 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, ब्रिस्बेन, मेलबर्न और सिडनी में लगातार तीन टेस्ट मैचों में भारत के चार गेंदबाजों ने 100 से ज्यादा रन खर्च किए थे। बुमराह ने मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 100 से ज्यादा रन दिए। पहली बार टेस्ट में बुमराह ने एक पारी में 100 रन खर्च किए।

बुमराह टेस्ट से संन्यास ले सकते हैं : मो. कैफ

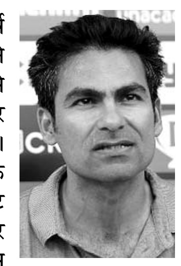

नई दिल्ली, 26 जुलाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके है। और अब लगता है, बुमराह की बारी है। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को शायद इसकी आदत डालनी होगी।

मेरा मानना है कि अब आपको बुमराह के बिना टेस्ट मैच देखने की आदत डालनी होगी। मुझे उम्मीद है और दुआ है कि मैं गलत हूं। लेकिन इस टेस्ट में मैंने जो देखा, उससे ऐसा लग रहा है कि वह बिल्कुल भी आनंद नहीं ले रहे है। वह अपने शरीर से लड़ाई हार गए हैं। जोश और जुनून तो वही है, लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा है। और ऐसी स्थिति में आप क्या कर सकते है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा। 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया। कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें।

सेमीफाइनल में हारी सात्विक और चिराग की जोड़ी

चांगझोउ (चीन), 26 जुलाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 चाइना ओपन 2025 में अभियान शनिवार को पुरुष युगल सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का चाइना ओपन में दमदार अभियान सेमीफाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 18-21, 15-21 से हार के साथ समाप्त हो गया। हार के बावजूद, भारतीय जोड़ी ने अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन से प्रभावित किया और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट्स में सीजन के अपने चौथे सेमीफाइनल में जगह बनायी। इससे पहले वे भारत, सिंगापुर और मलेशिया ओपन में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

बेन स्टोक्स बतौर कप्तान एक मैच में शतक और फाइफर लेने वाले पहले अंग्रेज

मैनचेस्टर, 26 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के लिए मैनचेस्टर टेस्ट अब तक शानदार रहा है। उन्होंने मैच के चौथे दिन शतक लगाकर कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। पारी के 146वें ओवर में स्टोक्स ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर चौका लगाकर टेस्ट करियर का 14वां शतक पूरा किया। जो रूट के बाद इस टेस्ट में वह शतक लगाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी रहे।

स्टोक्स ने 164 गेंद में शतक पूरा किया। इस दौरान उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर भी जाना पड़ा। वोक्स के आउट होने पर वह मैदान पर आए और बेहतरीन शतक पूरा किया। बतौर खिलाड़ी एक ही टेस्ट में शतक और फाइफर की उपलब्धि हासिल करने वाले वह इंग्लैंड के चौथे क्रिकेटर बने। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए और भारत पर 311 रन की बढ़त हासिल की। इससे पहले भारत की पहली पारी के दौरान उन्होंने पांच विकेट भी लिए थे। स्टोक्स महान सर गैरी सोबर्स और जैक कैलिस की सूची में शामिल हो गए। वहीं, बतौर कप्तान उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो आज तक कोई और अंग्रेज खिलाड़ी नहीं कर पाया था। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669। भारत की पहली पारी 358 रन पर समाप्त हुई थी। ऐसे में इंग्लैंड को 311 रन की बढ़त मिली। स्टोक्स ने 198 गेंद में 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 141 रन की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर न्यूजीलैंड ने जीता त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब

हरारे, 26 जुलाई। डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र (47-47) रनों की शानदार पारियों के बाद आखिरी ओवर में मैट हेनरी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने शनिवार को टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर खिताब अपने नाम किया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने लुआन ड्रे प्रिटोरियस को टिम सीफर्ट के हाथों स्टंप आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने 35 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से (51) रनों की पारी खेली।

13वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने रीजा हेंड्रिक्स 31 गेंदों में (37) को अपना शिकार बना लिया। हेंड्रिक्स ने अपनी पारी में चार छक्के लगाये। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान रासी वान डेर डुसेन (18) को एडम मिल्ने ने आउटकर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने रूबिन हरमन (11) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को चौथा झटका दिया। मैच के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर मैट हेनरी ने डेवाल्ड ब्रेविस 16 गेंदों में (31) को आउट कर एक बार फिर से मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर हेनरी ने जॉर्ज लिंडे (10) को आउट कर मैच को और रोमांचक बना दिया। मैच की आखिरी गेंद पर चार रन की दरकार थी और हेनरी ने उसे खाली निकाल कर न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर तीन रनों से रोमांचक जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 177 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 19 रन देकर दो विकेट लिये। जेकब डफी, जैकरी फॉक्स, मिल्ने और माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। नौवें ओवर में सेनुरन मुथुसामी ने टिम सीफर्ट (30) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 12वें ओवर में लुंगी एनगिडी ने कॉन्वे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। कॉन्वे ने 31 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से (47) रनों की पारी खेली। मार्क चैपमैन (तीन) भी लुंगी एनगिडी का शिकार बने। रचिन रवींद्र ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (47) रन बनाये। माइकल ब्रेसवेल 15 रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट किये।

परनीत ने जीता महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक

एसेन (जर्मनी), 26 जुलाई। भारतीय महिला तीरंदाज परनीत कौर ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। आज यहां खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत की परनीत कौर को दक्षिण कोरिया की मून योंजन से 146-147 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

शिलांग लाजोंग एफसी ने डूरंड कप अभियान की धमाकेदार शुरुआत की

शिलांग, 26 जुलाई। शिलॉन्ग लाजोंग एफसी ने 134वें इंडियनऑयल डूरंड कप के ग्रुप ई के उद्घाटन मुकाबले में मलेशिया की आर्म्ड फोर्सेज फुटबॉल टीम (एटीएम एफटी) को 6-0 से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की। एवरब्राइटसन साना और फ्रांग्की बुआम ने दो-दो गोल किए, जबकि ट्रेमिकी लामुरोंग और डेबॉरमेमे टोंगपर ने एक-एक गोल कर टीम की शानदार जीत में योगदान दिया। शिलॉन्ग लाजोंग के कोच बीरेन्द्र थापा ने युवा खिलाड़ियों को 4-3-3 फॉर्मेशन में टीम उतारी।

14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

यूएई में 9 से 28 सितंबर तक खेला जायेगा एशिया कप

लाहौर 26 जुलाई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नौ से 28 सितंबर तक टी-20 प्रारूप में एशिया कप खेला जायेगा।

एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चीफ मोहसिन नकवी ने सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी साझा की। इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। यह संस्करण टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। एसीसी के पांच पूर्ण सदस्य (भारत, अफगानिस्तान, बंगलादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका) के अलावा यूएई, ओमान और हांगकांग टूर्नामेंट में स्पर्धा करेंगे।

गुरुवार को ढाका में हुई एसीसी की वार्षिक बैठक में एशिया कप ही अहम मुद्दा था। मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़प के बाद टूर्नामेंट के 17वें संस्करण का भाग्य अनिश्चितता में पड़ गया था।

भारत इस प्रतियोगिता का मेजबान है लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए समझौते के बाद इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन सालों तक जिस प्रतियोगिता में भारत और पाकिस्तान दोनों शामिल रहेंगे, उसे तटस्थ स्थान पर कराने का समझौता दोनों बोर्ड के बीच हुआ है। यह करार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ठीक पहले हुए था, जिसके बाद भारत ने अपने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे जबकि मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ भी एक मैच शामिल था। दुबई में खेला गया प्रतियोगिता का फाइनल भारत ने जीता था।

अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में होंगे या नहीं। जैसा कि पिछले एक दशक से अधिक समय से होता आ रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसा हो सकता है। इससे टूर्नामेंट का अब तक का सबसे आर्थिक रूप से लाभदायक मुकाबला तय हो जाएगा। एशिया कप के प्रारूप का मतलब है कि एक ही ग्रुप में होने से भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम दो मुकाबले होने की संभावना है, और अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीन ऐसे मुकाबले होने की संभावना बनी रहती है।

तेजस्वी गहलोत बने के.आई.यू. गेम्स 2025 के तकनीकी संचालन समिति के सह-अध्यक्ष

जयपुर, 26 जुलाई। राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत को आगामी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी का सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नामांकन भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा, खेलो इंडिया इवेंट्स के अनुरोध पर किया गया है।

इस आशय का आधिकारिक पत्र भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ. पी.टी. उषा द्वारा जारी किया गया, जिसमें श्री गेहलोत की खेल प्रशासन, तकनीकी दक्षता एवं आयोजन क्षमता की सराहना की गई है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 का आयोजन इस बार राजस्थान में 15 से 25 अक्टूबर 2025 तक होगा। यह राज्य के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि पहली बार इतने बड़े स्तर का विश्वविद्यालय स्तरीय खेल आयोजन राजस्थान को मिला है। देशभर के विश्वविद्यालयों से हजारों छात्र-खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। नई दिल्ली में आयोजित भारतीय ओलंपिक संघ की बैठक में, तेजस्वी सिंह गहलोत ने डॉ. पी.टी. उषा को एक और ऐतिहासिक निर्णय के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उन्हें 3 एशियन यूथ गेम्स2025, बहरीन में, 19 से 23 अक्टूबर 2025 तक होने वाले आयोजन में पहली बार कबड्डी को शामिल करवाने के लिए शुभकामनाएं एवं धन्यवाद दिया।

गहलोत ने कहा कि कबड्डी का एशियन यूथ गेम्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर शामिल होना भारतीय संस्कृति और खेल परंपरा की एक बड़ी जीत है। यह निर्णय युवा खिलाड़ियों के लिए नई प्रेरणा और अवसर लेकर आएगा। इसके लिए मैं डॉ. पी.टी. उषा का विशेष आभार व्यक्त करता हूँ।

एक ओर राजस्थान में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन, दूसरी ओर कबड्डी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा - राजस्थान और देश दोनों के लिए गर्व की बात है।

पुरुष एकल जयपुर के मनीष फोगाट व महिला एकल में सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता

जयपुर, 26 जुलाई। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम पर चल रही राजस्थान रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में आज क्वालिफाइंग राउंड के मैच पूरे हुए पुरुष एकल में 25 खिलाड़ी, मिक्स्ड डबल्स में 6 जोड़ी, गर्ल्स सिंगल्स में 16 खिलाड़ी बॉयज डबल्स में 16 खिलाड़ी की जोड़ी तथा गर्ल्स डबल्स में चार खिलाड़ियों की जोड़ी नाम में राउंड में प्रवेश किया।

आज खेले गए क्वालीफाई मैच में जयपुर के पीयूष पूनिया ने 43 मिनट चला संघर्ष में उदयपुर के यशेष चावत को तीन गेमों में 15-10, 13 -15,15- 7 से हरा मेन राउंड में प्रवेश किया एक अन्य संघर्ष मैच में जयपुर के दिनेश चौधरी ने बीकानेर के दक्ष सेठिया को 13-15 ,15-7,15 -4 से हरा मेन राउंड में प्रवेश किया लड़कों के अंदर-19 बॉयज सिंगल्स में बीकानेर के लविश मलिक ने हनुमानगढ़ के राघव राठी को तीन गेमों में 13-15, 19- 17, 15 -8 से परास्त कर मेन राउंड में प्रवेश किया।

बॉयज डबल्स अंदर 19 के क्वालीफाई राउंड में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर की जोड़ी सचिन चौधरी और सहज ने उदयपुर की जोड़ी लविराज सिंह और यजत शर्मा को तीन गेमों में काफी संघर्ष के बाद 15- 8 ,13 -15 ,15-11 से पराजित किया वहीं जयपुर की जोड़ी रुद्राक्ष मीढ़ा और श्रेयांश चौधरी ने हनुमानगढ़ व भरतपुर की जोड़ी राघव राठी व तन्मय शर्मा को तीन गेम में 15-9,15-9,15 -8 से हराया। गर्ल्स डबल्स अंदर-19 में उदयपुर की जोड़ी गौरी शर्मा और परिधि सोलंकी ने जयपुर की जोड़ी पूर्वी सिहाग और राशिका यादव को तीन गेम जो कि लगभग 45 मिनट चले उसमें 15-7, 14 -16 और 20 -18 से हरा मेन राउंड में प्रवेश किया। महिला एकल में जयपुर की देशना जैन ने जोधपुर की मनस्वी स्वामी को 15- 8 ,15- 11 आसन खेलों में हराया।

ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री मनोज दासोत के अनुसार मेन राउंड के मैच कल से खेले जाएंगे पुरुष एकल में जयपुर के मनीष फोगाट को प्रथम वरीयता तथा बीकानेर के जागृत बीनानी को द्वितीय वरीयता दी गई है महिला एकल में भारतीय टीम से खेल चुकी जयपुर की सुहासी वर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की ही सौम्या भटनागर को द्वितीय वरीयता दी गई है पुरुष युगल में जयपुर व टोंक की जोड़ी आर्यन त्यागी मुरली शर्मा को प्रथम वरीयता तथा जयपुर की जोड़ी अंगद खन्ना व अंश कटरा को द्वितीय वरीयता दी गई है।

सभी विधायक जर्जर स्कूल भवनों के लिए एमएलए फंड से राशि दे सकेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पिपलोदी हादसे के बाद विधायकों की राशि के उपयोग में परिवर्तन किया

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के राजकीय विद्यालय में हुई हृदय विदारक घटना को संज्ञान में लेते हुए, जीर्ण-क्षीर्ण, मरम्मत योग्य राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्य प्राथमिकता से करवाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत इन संस्थानों और भवनों की मरम्मत हेतु अनुमत राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय किया है।

इसी प्रकार, अब विधायक भी स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत किसी भी योजना से निर्मित राजकीय संस्थानों, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि की अनुशंसा कर सकेंगे।

पूर्व में एमएलए-लेड में निर्मित भवनों की मरम्मत का कार्य ही इस कोष से करवाया जा सकता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों से पुराने और जर्जर सरकारी स्कूलों के भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए प्राथमिकता से राशि की अनुशंसा करने का आग्रह किया है।

भजनलाल शर्मा

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में बिना भवन के विद्यालयों और जर्जर विद्यालयों की जगह नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए 375 करोड़ रूपये का प्रावधान किया था। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को भी 3 करोड़ रुपये मरम्मत कार्यों के लिए दिए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत, सरकारी स्कूलों, राजकीय संस्थानों और आंगनबाड़ी भवनों के मरम्मत कार्य करवाए जा सकेंगे।

■ पहले विधायक अपने स्थानीय क्षेत्र विकास फंड से निर्मित स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए ही अनुशंसा कर सकते थे। अब वे किसी भी योजना के तहत बने राजकीय संस्थानों, विद्यालयों व आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत के लिए अपने वार्षिक आवंटन की 20 प्रतिशत राशि दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक करके जिला कलैक्टरों एवं संबंधित विभागों को स्कूलों, अस्पतालों सहित सभी सरकारी इमारतों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, विशेषज्ञों की एक समिति गठित कर 5 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया।

प्र.मंत्री मोदी मालदीव से सीधे तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई, 26 जुलाई। ब्रिटेन और मालदीव की अपनी यात्रा से लौटने के बाद, प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु पहुंचे। वे तूतीकोरिन में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने यहां 4800 करोड़ रु. से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। वहीं, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं। पीएम मोदी रविवार को तिरुचिरापल्ली के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में दोपहर 12 बजे महान चोल सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम के जयंती समारोह और आदि तिरुवथिरा उत्सव में भाग लेंगे।

■ आज प्र.मंत्री चोल सम्राट राजेन्द्र चोल की जयंती के समारोह में भाग लेंगे।

पीएम मोदी कार्यालय आधिकारिक बयान के अनुसार, मालदीव की राजकीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री सीधे तूतीकोरिन पहुंचे। यहां उन्होंने कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। ये परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, रसद दक्षता, स्वच्छ ऊर्जा ढांचे और तमिलनाडु के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगीं। प्रधानमंत्री ने विश्वस्तरीय हवाई अड्डा ढांचे के विकास और कनेक्टिविटी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, तूतीकोरिन हवाई अड्डे पर 450 करोड़ रु. की लागत से निर्मित नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

चैतन्य बघेल से मिलने सैंट्रल जेल पहुंचे सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा भाजपा व ईडी जानबूझकर कांग्रेस को टारगैट कर रहे हैं

रायपुर, 26 जुलाई। कांग्रेस संगठन के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही हमारे नेतृत्व को कमजोर करने का काम और हमें अलग करने का काम कर रहे हैं।

शराब घोटाले मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश का सियासी पारा गरम है। इस विषय पर जहां कांग्रेस ने पहले चक्का-जाम किया, वहीं अब पायलट शनिवार को खास तौर पर जेल में बंद चैतन्य बघेल और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मिलने सेंट्रल जेल रायपुर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने जेल परिसर में जाकर चैतन्य और पूर्व मंत्री कवासी लखमा से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इस दौरान उन्होंने जेल में ही अधिकारियों को कहा कि इन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और स्वास्थ्य परीक्षण समय समय पर होता रहना चाहिए।

जेल परिसर से बाहर आने के बाद पायलट ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ईडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सोनिया गांधी जी, सभी लोगों को अलग करने की कोशिश की है तथा देश का ध्यान डायवर्ट करने की, चरित्र हनन करने की कोशिश की गई है। भ्रष्टाचार का नाम लेकर वैचारिक विरोध करने वाले लोगों पर वो आक्रमण कर रहे हैं। आज मैं चैतन्य बघेल से मिला हूं, कवासी लखमा से मिला हूं। इन सभी को इसलिए टारगेट किया जा रहा है, क्योंकि ये मुखर होकर उनका विरोध करते हैं, जो प्रदेश की जल जंगल और जमीन को बेचना चाहते हैं। आप सरकार का विरोध करो उद्योगपतियों का विरोध करो, ये आप पर जरूर कार्रवाई करेंगें, हमें न्यायालय पर पूरा भरोसा है। हम मजबूती से लड़ते रहेंगें। कांग्रेस एक है और राजनीतिक संघर्ष करती रहेगी। जेल में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है, लखमा जी का स्वास्थ्य खराब रहता है, मैंने अधिकारियों से आग्रह किया है कि उनको समय पर दवा मिलती रहे और जांच होती रहे। चैतन्य बघेल से मिला, उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उसने कहा, मैं डरने वाला नहीं हूं भाजपा कितना भी कुछ भी कर ले हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगें।

गौरतलब है कि ईडी ने हाल ही में शराब घोटाले के मामले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया है। फिलहाल चैतन्य रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

■ कांग्रेस महासचिव और छत्तीसगढ़ के प्रभारी पायलट ने कहा कि बघेल व अन्य कांग्रेसी नेताओं को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे प्रदेश के जंगल बचाना चाहते हैं।

गमगीन माहौल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटनास्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने झालावाड़ अस्पताल में भर्ती घायल बच्चों की कुशलक्षेम पूछी, वहीं मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। प्रमोद जैन भाया ने कहा कि मृतकों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब प्लेन क्रैश के पीड़ितों को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जा सकता है तो इस हादसे के शिकार बच्चों को भी एक करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह हादसा उस हादसे से कम नहीं है।

खड़गे, सोनिया ने कारगिल नायकों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1999 के करगिल युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को बरसो तक 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया जो पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

■ सोनिया गांधी ने कारगिल युद्ध को 'भारत के इतिहास में वीरता का स्वर्णिम अध्याय' बताया।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, करगिल विजय दिवस पर हम अपने सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों, पूर्व सैनिकों, उनके परिवारों और सभी साथी भारतीयों को हार्दिक बधाई देते हैं। हम अपने शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को नमन और सलाम करते हैं जिन्होंने करगिल युद्ध में हमारी मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा की। उनका अदम्य साहस और वीरता हमेशा पीढ़ि यों को प्रेरित करता रहेगा।

इस अवसर पर गांधी ने कहा इस करगिल विजय दिवस पर हम अपने वीर सैनिकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं जिन्होंने भारत के इतिहास में वीरता का एक स्वर्णिम अध्याय अंकित किया।

गया में होम गार्ड में भर्ती होने आई युवती से गैंगरेप

ड्राइवर व टेक्नीशियन ने अस्पताल ले जाते समय एम्बूलेंस में यह दुष्कर्म किया

गया, 26 जुलाई। बिहार के गयाजी में होमगार्ड भर्ती के लिए आई, लड़की (26) के साथ एंबुलेंस में गैंपरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को ड्राइवर और टेक्नीशियन को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को चुप रहने की धमकी दी थी। घटना 24 जुलाई (गुरुवार) की है। इसका खुलासा शुक्रवार देर रात हुआ। लड़की बीएमपी-3 के मैदान में होमगार्ड भर्ती के लिए पहुंची थी। फिजिकल टैस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश होकर गिर गई। मौके पर मौजूद एंबुलेंस से उसे अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक, चलती एंबुलेंस में पहले टेक्नीशियन ने रेप किया, फिर गाड़ी सुनसान जगह पर रोककर ड्राइवर ने दरिंदगी की। पीड़िता ने अस्पताल पहुंचकर महिला डॉक्टर को पूरी कहानी बताई, जिसके बाद पुलिस ने एक्शन लिया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया, फिजिकल टेस्ट के दौरान मैं चक्कर खाकर गिर गई थी। थोड़ी देर मुझे वहीं बैठाया गया। ग्राउंड में मौजूद एंबुलेंस बुलाई गई। एंबुलेंस के ड्राइवर और टेक्नीशियन ने मुझे अंदर बैठाया। भर्ती ग्राउंड से मुख्य मार्ग डोभी-पटना पर एंबुलेंस पहुंची, तो एंबुलेंस स्टाफ ने गाड़ी रोककर मेरा एडमिट कार्ड गले से निकाल लिया।

■ पीड़ित युवती फिज़िकल टेस्ट में दौड़ते समय बेहोश हो गई थी। मौके पर मौजूद एम्बूलेंस में उसे अस्पताल भेजा गया। चलती गाड़ी में तथा सुनसान जगह एम्बूलेंस रोक कर युवती के साथ दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया, दोनों आरोपियों ने गेट पर खड़े लोगों से पूछताछ की कि क्या मेरा कोई जानने वाला है, लेकिन जब कोई परिचित नहीं मिला, तो एंबुलेंस अस्पताल के लिए रवाना हो गई। रास्ते में टेक्नीशियन ने इलाज के बहाने गलत हरकत शुरू कर दी। टेक्नीशियन ने मेरे चेहरे पर स्प्रे मारा, जिससे मैं पूरी तरह बेहोश हो गई। मुझे थोड़ी आवाजें सुनाई दे रही थीं। इसी दौरान, चलती एंबुलेंस में टेक्नीशियन ने दुष्कर्म किया।

सिकरिया मोड़ पर दुष्कर्म के बाद दोनों आरोपियों ने पीड़िता को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक इलाज के दौरान जब युवती को होश आया, तो उसे महसूस हुआ कि उसके साथ गलत हुआ है।

हजार साल ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे एक व्यापक, राजनैतिक और भारत में इस्लाम के आगमन से पूर्व के गौरव पर आधारित सभ्यतागत दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

राजा राजेन्द्र चोल को गंगा से लेकर स्वर्णद्वीप (दक्षिण-पूर्व एशिया के द्वीपों के लिए प्रयुक्त प्राचीन नाम) तक के साहसी अभियानों के लिए जाना जाता है, जिन्होंने चोल-शासन को एक अखिल एशियाई समुद्री साम्राज्य में बदल दिया। 1025 ई. में उन्होंने श्रीविजय साम्राज्य (वर्तमान मलेशिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड) के विरुद्ध एक समुद्री अभियान शुरू किया, जो समुद्री प्रभुत्व और प्रतिष्ठा का प्रतीक था।

उन्होंने उत्तरी भारत में भी सफल अभियानों का नेतृत्व किया और गंगा जल लाकर गंगईकोंडा चोलपुरम की स्थापना की थी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सोमवार को सुनवाई होगी सुप्रीम कोर्ट में

नयी दिल्ली, 26 जुलाई। उच्चतम न्यायालय बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवायी करेगा। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ चुनाव आयोग के जवाब और याचिकाकर्ताओं के जवाबी हलफनामों पर विचार करेगी। अदालत ने कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से दायर याचिकाओं पर 10 जुलाई को आयोग को नोटिस जारी किया था। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने उन याचिकाओं पर कोई अंतरिम स्थगन आदेश जारी न करते हुये चुनाव आयोग को 21 जुलाई या उससे पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। साथ ही, आयोग से कहा था कि वह मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र को स्वीकार्य दस्तावेजों के रूप में अनुमति देने पर विचार करे। अदालती आदेश पर चुनाव आयोग ने 21 जुलाई को 88 पन्नों का एक हलफनामा दाखिल किया, जिसमें उसने आधार कार्ड और राशन कार्ड को 11 दस्तावेजों की सूची से बाहर रखने का बचाव करते हुए कहा है कि यह अनुच्छेद 326 के तहत मतदाता की पात्रता की जांच में मदद नहीं करता है।

■ चुनाव आयोग के हलफनामे पर याचिकाकर्ता भी अपना जवाब दाखिल कर चुके हैं।

राहुल ने प्रणीति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल होने को कहा।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने की कोशिश के तहत, ऐसे नए और युवा चेहरों को अहम पदों पर ला रहे हैं, जिनका राजनीतिक अनुभव न के बराबर है। स्क्रीनिंग कमेटी में ऐसे ही कुछ युवा सदस्य हैं, जैसे कि प्रणीति शिंदे, जो पहली बार सांसद बनी हैं और वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं।

एक और सदस्य हैं इमरान प्रतापगढ़ी, जो मूल रूप से शायर हैं और गांधी परिवार की तारीफ करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे ही तीसरे सदस्य हैं कुणाल चौधरी, जो मध्य प्रदेश से विधायक हैं और जीतू पटवारी के करीबी माने जाते हैं।

राहुल गांधी नई कांग्रेस बनाने के लिए युवाओं को आगे ला रहे हैं, लेकिन वे शायद यह भूल रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी और उनकी टीम से मुकाबला करने के लिए अनुभव भी जरूरी है।

17 सांसदों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भर्तृहरि महताब, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल के सांसद एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना सांसद श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। संसद रत्न पुरस्कार पाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरन महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) भी शामिल हैं।

क्या हाई कोर्ट के दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति यादव से स्पष्टीकरण मांगा था और उनके बयान को संवैधानिक आचरण और गरिमा का उल्लंघन बताया था।

कानूनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एक साथ उच्च न्यायालयों के दो सेवारत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की पहल, एक सत्तारूढ़ दल द्वारा और दूसरी विपक्ष द्वारा, संसद को एक और राजनीतिक एवं प्रक्रिया संबंधी गतिरोध में धकेल सकती है। संसदीय प्रक्रियाओं के जानकार एक वरिष्ठ विधि विशेषज्ञ ने कहा, "अगर न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाता है और न्यायमूर्ति वर्मा पर कार्रवाई आगे बढ़ती है, तो इससे राजनीतिक पक्षपात की धारणा और मजबूत, तथा सत्ता एवं विपक्ष के बीच की दरार और चौड़ी एवं गहरी हो सकती है।

इन घटनाओं का समय भी बेहद संवेदनशील है, क्योंकि सोमवार से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा शुरू होने जा रही है, जिसने पहले ही राजनीतिक मतभेदों को तीखा बना दिया है। पिछले सप्ताह सदन में व्याप्त अवरोध से बचने के लिए, मोदी सरकार पर्दे के पीछे संवाद स्थापित करने की कोशिश में जुटी है, जिससे पूरा विधायी काम-काज ठप हो जाने की स्थिति न बने।

इस बीच, भाजपा के अंदर भी न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर मतभेद सामने आए हैं। पार्टी नेतृत्व का एक वर्ग इस बात को लेकर चिन्तित बताया जा रहा है कि यह कदम उल्टा भी पड़ सकता है, खासतौर से इसलिये कि विपक्ष बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहा है। इंडिया गठबंधन पहले से ही इस मामले को मोदी सरकार की "तानाशाही प्रवृत्ति" और न्यायपालिका की मुखरता को लेकर उसकी "बेचैनी" के प्रमाण के रूप में पेश कर रहा है।

संसद पर नज़र रखने वालों का मानना है कि आने वाला सप्ताह बेहद उथल-पुथल भरा हो सकता है क्योंकि इस बात की संभावना है कि एक साथ दो प्रस्ताव पेश किए जाएं, वॉकआउट हों और तीखी बहसें हों। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति के लिए यह संतुलन साधने का नाज़ुक समय होगा, क्योंकि संसद के पटल पर एक बार फिर संवैधानिक जवाबदेही और राजनीतिक प्रतिशोध की रेखाएं धुंधली होती जा रही हैं।

बिहार में सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

अपनी पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पत्रकारों के लिए सुविधाओं का ध्यान रखा है, ताकि वे स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन जी सकें।

लालू के पुत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीली टोपी पहने नजर आए। इससे पहले वे हरी टोपी पहना करते थे। जब पत्रकारों ने इसको लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने बताया कि टीम तेजप्रताप यादव के झंडे में पीला और हरा दोनों रंग हैं।

एयर पोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तलाशी ली। अब पुलिस प्रशासन और एटीएस धमकी भरा ईमेल भेजने वालों का पता लगाने में जुटे हैं। एयर पोर्ट को बम से उड़ाने का ई-मेल मिलते ही सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्यूरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) ने एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी, सर्च ऑपरेशन के तहत एयरपोर्ट बिल्डिंग, एप्रन एरिया, पार्किंग स्थल और अन्य सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों की गहन तलाशी ली गई, पर किसी भी तरह का विस्फोटक बरामद नहीं हुआ है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही जारी है।

मेल में तमिलनाडु सरकार को लेकर आरोप लगाए गए हैं।

हमारे बहादुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद!

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908